जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

हिण्डौनसिटी

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौनसिटी, रविवार 19 जून, 2022

इतिहास में पहली बार

2000 Sq. Ft. बिल्ट-अप एरिया वाली 5BHK कोठी सिर्फ 75 लाख में !

A Project By Kedia

THE KUNBA

बड़े परिवारों के लिए

NO MIDDLE-MEN DIRECT TO CUSTOMER

FIXED PRICE

तीन पीढ़ियां - एक घर

Advance Notice: Last Few Units Left

NEAR MPS, PRATAP NAGAR, TONK ROAD, JAIPUR

JDA की सीमा मे जमीन बेचने के लिये 7665078637 पर जमीन का सम्पूर्ण विवरण WhatsApp करें।

KEDIA
Transforming Realty

TOLL FREE: 1800-120-23-23, 7877-07-27-37

www.kedia.com | www.kediahomes.com | info@kediahomes.com

www.rera.rajasthan.gov.in | Rera No. RAJ/P/2022/1900

*T&C Apply

विचार बिन्दु

चरित्र वृक्ष है और प्रतिष्ठा उसकी छाया। –अब्राहम लिंकन

आदि-मानव की पृथ्वी पर उत्तरजीविता

अगर निएंडरथल मानव 2000 पीढ़ियों तक और रहते तो वे आज भी हमारे साथ पृथ्वी पर कहीं न कहीं साथ रह रहे होते। हमारा एक और करीबी वंशज डेनिसोवन्स को तो अब तक जीवित रहने के अपने वंश की सिर्फ 750 और पीढ़ियों की आवश्यकता पड़ी होती। लेकिन मानव जाति के रूप में आज हम, होमो सेपियन्स, पृथ्वी पर अकेले बचे हैं। हालांकि अभी तक सात या अधिक प्रकार के आदि मानव अभी तक खोजे गये हैं, उन सबके साथ हमने कभी-न-कभी पृथ्वी साझा किया था। ऐसी आम धारणा है कि होमो सेपियन्स के पूर्वजों ने बुरा, क्रूर और छोटा जीवन व्यतीत किया, जैसा कि अंग्रेजी दार्शनिक थॉमस हॉब्स ने अपनी 1651 की पुस्तक लेविथान में लिखा है। थॉमस हॉब्स ने मनुष्यों की प्रकृति का बड़ा निराशावादी निरूपण किया है। कहने का तात्पर्य यह है कि ऐसा माना जाता है कि हमने अन्य प्रकार के आदि मानवों को मार डाला होगा, परन्तु उनके विलुप्त होने का एक संभावित कारण यह है कि जलवायु में नाटकीय उतार-चढ़ाव ने आदि मानवों की अन्य प्रजातियों को पीछे छोड़ दिया। प्रमाण बताते हैं कि ये सब छोटे-छोटे अलग-थलग समूहों में रहते थे और संभवतः यही कारण रहा होगा कि वे जलवायु परिवर्तन के थपेड़ों से अपना अस्तित्व नहीं बचा पाये।

अब यदि नवीनतम पुरातात्विक और अनुवांशिकीय शोध की मानें तो शायद यह क्रूर लोगों का अस्तित्व नहीं, बल्कि दयालु और मिलनसार लोगों का अस्तित्व था। हमारे सॉफ्ट स्किल्स जैसे सहिष्णुता, करुणा, दान, और दूसरों के साथ संबंध बनाने की इच्छा आदि उन जलवायु परिवर्तनों के बावजूद हमारे अस्तित्व के मिटने से बचे रहने का मूल रहस्य हो सकते हैं। जैसा कि हम आगे देखेंगे, रोचक बात यह है कि वैदिक ऋषियों ने भी ना केवल इन महत्वपूर्ण गुणों को पहचाना और लोगों तक इस ज्ञान को पहुँचाया, बल्कि इन्हें जीवन का आवश्यक अंग बनाने हेतु भी प्रेरित किया। इसके साथ ही जीवन का प्राचीन किन्तु आज भी क्रियाशील विज्ञान, आयुर्वेद, इन गुणों के क्लिनिकल महत्त्व को प्रतिपादित करता है।

हाल ही में हुई शोध से स्पष्ट होता है कि अनजान लोगों के साथ शीघ्रता से मित्रता स्थापित करने की हमारी क्षमता हमारे सतत अस्तित्व का कारण हो सकता है। उदाहरण के लिए, पुरातात्विक साक्ष्य से पता चलता है कि होमो सेपियन्स न केवल अन्य सभी मनुष्यों की तुलना में बड़े समूहों में रहते थे, बल्कि अपने समूह से परे जाकर तत्काल गठबंधन बनाने की उनमें एक अद्वितीय क्षमता थी। ऐसा संभव है कि इन समाजोन्मुखी क्षमताओं ने हमें सबसे अधिक अनुकूलनीय मानव प्रजाति बनाने में मदद की हो जिस कारण हम पृथ्वी के सभी प्रकार के पारिस्थितिक तंत्रों पर पर कब्जा करने में सक्षम हैं। होमो सेपियन्स पूर्वज एक तरफ तो सभी तरह के वातावरण में रहने की सामान्यता विकसित कर पाये वहीं दूसरी ओर विशेष प्रकार के वातावरणों में रहने की विशेषज्ञता भी विकसित कर पाये। इस प्रकार हमारे पूर्वज जलवायु और पर्यावरणीय परिवर्तनशीलता का सामना करने में अधिक सक्षम रहे।

हालाँकि, यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि हमारी अनुकूलन क्षमता का विकास कैसे हुआ। हमारे भावनात्मक स्वभाव और कमजोरियों ने ही हमें बढ़त दी है। हमारी भावनात्मक ज़रूरत ने हमें दूसरों से जुड़ने की प्रेरणा दी और इस कारण हमारे नेटवर्क के विस्तार ने हमें और अधिक लचीला बनाया जिससे हमें कई अलग-अलग वातावरणों में फलने-फूलने का मौका मिला। इस बात के कुछ प्रमाण लगभग 2 मिलियन वर्ष पूर्व देखने होंगे जब ये जटिल भावनायें उभरी होंगी। मानव के वानर जैसे पूर्वज आस्ट्रेलोपिथेकस (दक्षिणी अफ्रीका) में बीमार या घायल होमिनिन के लिए संभावित देखभाल के शुरुआती ज्ञात उदाहरण पाए गये हैं। उन व्यक्तियों के कंकालों में जिनमें हड्डियों की समस्या, दर्द और विकलांगता व रीढ़ की हड्डी के ट्यूमर वाले किशोर लड़के का प्रमाण मिला है। ऐसे लोगों को लगभग निश्चित रूप से कुछ स्तर की सहायता जैसे जीवित रहने के लिए भोजन और सुरक्षा मिली होगी।

लगभग 50,000 साल पहले दक्षिण एशिया के घने जंगल के वातावरण में, जब होमो सेपियन्स ने पहली बार इस क्षेत्र को बसाया था, में भी समाजोन्मुखी सहयोग के प्रमाण पाए हैं। श्रीलंका के जंगलों में गहरे पाई गई हड्डियों के अध्ययन से पता चलता है कि होमो सेपियन्स साल भर वर्षावन में रहते थे। वे बंदरों और विशाल गिलहरियों का शिकार करने के लिए धनुष-बाण का उपयोग करके वर्षावन में रहने के विशेषज्ञ बन गये। लेकिन उनकी हड्डियों के साथ मिली कलाकृतियां, जैसे समुद्री खोल के मोती और शार्क के दांत, संकेत देते हैं कि उनका तटीय क्षेत्रों की आबादी के साथ भी संपर्क था। एक जंगल में और एक तट पर दो अलग-अलग आबादियों के मध्य परस्पर सामाजिक संचार का यह एक महत्वपूर्ण प्रमाण है। कालान्तर में आगे चलकर सोशल नेटवर्क के सर्वाइवल नेटवर्क जैसा कारगर होने के प्रमाण बहुत मिलते हैं। यहाँ यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि प्राचीन वैदिक साहित्य में दर्शित दम (आत्म-नियंत्रण), दान (दान, उपहार, गिफ्ट), दया (सद्भावना, स्नेह, कल्याणार्थ परोपकार आदि) पर दुनिया भर में अब बहुत शोध हुई है। सोशल नेटवर्क्स के गठन और निरंतरता में तीनों गुणों का महत्वपूर्ण और निर्णायक योगदान है (बृहदारण्यकोपनिषत् 5.5.2): तदेतदेवैषा दैवी वागनुवदति स्तनयित्नुर्द द द इति दाम्यत दत्त दयध्वमिति। तदेतत्त्रय शिक्षेद् दमं दानं दयामिति।। दम (आत्म-नियंत्रण), दान (दान, उपहार, गिफ्ट आदि), दया (सद्भावना, स्नेह, कल्याणार्थ परोपकार आदि) का स्वास्थ्य पर प्रभाव देखने के लिये दुनिया भर में हुई बहुत शोध हुई है। मानव के सोशल नेटवर्क्स के गठन और निरंतरता में तीनों गुणों का महत्वपूर्ण और निर्णायक योगदान है। इसके साथ ही यह कथन भी इस सन्दर्भ में महत्वपूर्ण है (ऋग्वेद 10.191.2-4): सं गच्छध्वं सं वदध्वं सं वो मनांसि जानताम्। देवा भागं यथा पूर्वे संजानाना उपासते।। समानो मन्त्रः समितिः समानी समानं मनः सह चित्तमेषाम्। समानं मन्त्रमभि मन्त्रये वः समानेन वो हविषा जुहोमि।। समानी व आकूतिः समाना हृदयानि वः। समानमस्तु वो मनो यथा वः सुसहासति।। हे मनुष्यो, मिलकर चलो, मिलकर बात करो, तुम्हारे चित्त एक जैसे होकर ज्ञान प्राप्त करें, जिस प्रकार पूर्व विद्वान्, ज्ञानीजन जानने योग्य को जानते हेतु उपासना करते आये हैं। इन सबका विचार समान हो, समिति सभा समान हो, मन समान हो, चित्त एक समान उद्देश्य वाला हो, मैं तुम्हे समान विचार वाला बनाता हूँ, तुम्हे समान खान-पान युक्त करता हूँ। हे मनुष्यो, तुम्हारे संकल्प समान हों, तुम्हारे हृदय समान हों, तुम्हारे मन समान हों, जिससे तुम परस्पर मिलजुल कर रहो।

मानव जाति की प्रागैतिहासिक काल से आज तक चल रही यात्रा आगे जारी रहेगी या नहीं यह इस बात पर निर्भर करेगा क्या हम अपने उन गुणों का सदुपयोग करते रहेंगे या नहीं जिनके कारण हम प्राचीन काल में अपनी जाती को बचा पाये। इस प्रश्न का उत्तर समकालीन विज्ञान के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।

हमारी भावनात्मक प्रकृति के परिणामस्वरूप बने सामाजिक नेटवर्क कठिन समय के लिये एक महत्वपूर्ण बीमा पॉलिसी की तरह रहे होंगे, जिससे हमारे प्रारंभिक होमो सेपियन्स पूर्वजों को न केवल भोजन और संसाधनों बल्कि विचारों को साझा करने के अवसर मिले होंगे। बदले में हमें हमारे इन गुणों ने जलवायु की अनिश्चितताओं से अनुकूलन करने में सक्षम बनाते है। भारी जलवायु परिवर्तन की दशा में अपने संघर्ष के समय अपने पड़ोसियों से मदद लेने-देने में सक्षम रहने के कारण हमारे पूर्वज होमो सेपिएंस अविश्वसनीय अनुकूलन कर पाये। इस प्रकार कहा जा सकता है कि क्रूरता नहीं बल्कि दयालुता और मिलनसारिता अस्तित्व को बचाने में कारगर रही।

अब बड़ा सवाल यह है कि क्या ये भावनात्मक कौशल और समाजोन्मुखी व्यवहार हमें अब भी पचड़े से बाहर निकालेंगे क्योंकि पृथ्वी पर जलवायु फिर से बदल रही है?

मानव जाति की प्रागैतिहासिक काल से आज तक चल रही यात्रा आगे जारी रहेगी या नहीं यह इस बात पर निर्भर करेगा क्या हम अपने उन गुणों का सदुपयोग करते रहेंगे या नहीं जिनके कारण हम प्राचीन काल में अपनी जाती को बचा पाये। इस प्रश्न का उत्तर समकालीन विज्ञान के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।

पहला, मानव की बुद्धिमत्ता एक समग्र, बहुआयामी व्यक्तित्व विशेषता है जो व्यक्तिगत एवं सामाजिक कल्याण, जीवन-संतुष्टि, प्रसन्नता और समग्र स्वास्थ्य से संबंधित है और जीवन के इन सभी क्षेत्रों को प्रभावित करती है। वर्तमान और अद्यतन शोध की स्थिति यह है कि विजडम, बुद्धिमत्ता या प्रज्ञा के कम से कम सात घटक पहचाने जा चुके हैं। इनमें (1) सहिष्णुता एवं विचारों की विविधता को स्वीकार करना, (2) अनिश्चितता के रहते हुये भी निर्णय लेने की क्षमता, (3) भावनात्मक विनियमन या इमोशनल रेगुलेशन, (4) समाजोन्मुखी व्यवहार या प्रोसोशल बिहेवियर जिसमें आत्म-नियंत्रण, दया, सहायता और करुणा आदि शामिल हैं, (5) आत्म-समीक्षा, (6) उचित सलाह देने में तत्परता या सोशल एडवाइजिंग तथा (7) आध्यात्मिकता शामिल हैं। प्रज्ञा व्यक्ति को सदैव आत्म-नियंत्रित, आत्म-समीक्षक, और समाजोपयोगी बनाती है और यह मानव जाति की निरंतरता के लिये अनिवार्य होगी।

दूसरा, हमें आयुर्वेद की सलाह के अनुरूप सुखायु और हितायु प्राप्त करने हेतु प्रयत्न करते रहना होगा। सुखायु और हितायु प्रज्ञावान व्यक्ति के लिये ही संभव है। यही सुखायु और हितायु प्राप्त करने हेतु मानव जाति के प्रयत्न हमारी भविष्य में उत्तरजीविता सुनिश्चित कर पायेंगे। आयुर्वेद में सुखमायुः हितमायुः दोनों रणनीतियों को एक साथ क्रियान्वित करना ही मानव जाति की उत्तरजीविता सुनिश्चित करेगा क्योंकि स्वयं के लिये सुखकारी और समाज के लिये हितकारी जीवन जीने की साझा युक्ति ही सार्वभौमिक कल्याण का रास्ता देती है (च.सू.30.24): तत्र शारीरमानसाभ्यां रोगाभ्यामनभिद्रुतस्य विशेषेण यौवनवतः समर्थानुगतबलवीर्ययशः पौरुषपराक्रमस्यज्ञानविज्ञानेन्द्रियेन्द्रियार्थबलसमुदये वर्तमानस्य परमर्द्धिरुचिरविविधोपभोगस्य समृद्धसर्वारम्भस्य यथेष्टविचारिणः सुखमायुरुच्यते; असुखमतो विपर्ययेण; हितैषिणः पुनर्भूतानां परस्वादुपरतस्य सत्यवादिनः शमपरस्य परीक्ष्यकारिणोऽप्रमत्तस्य त्रिवर्गं परस्परेणानुपहतमुपसेवमानस्य पूजार्हसम्पूजकस्य ज्ञानविज्ञानोपशमशीलस्य वृद्धोपसेविनः सुनियतरागरोषेर्ष्यामदमानवेगस्य सततं विविधप्रदानपरस्य तपोज्ञानप्रशमनित्यस्याध्यात्मविदस्तत्परस्य लोकमिमं चामुंचावेक्षमाणस्य स्मृतिमतिमतो हितमायुरुच्यते; अहितमतो विपर्ययेण।। शारीरिक और मानसिक रोगों से पूरी तरह मुक्त, विशेष रूप से युवावस्था, हर कार्य करने का सामर्थ्य और उसके अनुरूप बल, वीर्य, यश, पराक्रम, ज्ञान, कौशल, इंद्रियों और इंद्रियों के विषयों के बल के समुदाय से युक्त, उत्तम धन-सम्पदा एवं विविध प्रकार के उपभोग में सक्षम, जो कार्य प्रारम्भ किये वे सभी कार्य पूर्ण हो गये हों और स्वयं की इच्छा अनुसार चलने-फिरने वाले व्यक्ति का जीवन सुखी जीवन होता है। इसके उलट दुःखी जीवन होता है। अपना कल्याण सुनिश्चित करते हुये, सभी प्राणियों के हितचिंतक, दूसरे का धन छीनने से बचने वाले, सत्य बोलने वाले, शांतिप्रिय, कार्यों को सोच विचार कर करने वाले, सावधान, अर्थ, धर्म, काम का सम्यक सेवन करने वाले, श्रेष्ठ व्यक्तियों का सम्मान करने वाले, ज्ञानशील, विज्ञानशील, शांतिशील, बड़े-बूढ़ों की सेवा करने वाले, राग, क्रोध, ईर्ष्या, मद, मान के वेगों पर उच्चकोटि का नियंत्रण रखने वाले, निरंतर दानशील, नित्य आत्म-नियंत्रित, ज्ञान, शांति, विनम्रता, आध्यात्म के जानकार और प्रयोग में लेने वाले, लोक-परलोक का विचार करने वाले, स्मरण-शक्ति और बुद्धि से युक्त व्यक्ति की आयु हितायु कही जाती है।

अंतिम बात यह है कि अहिंसावादी दृष्टिकोण जिसने हमें आदि-मानव की अन्य प्रजातियों से बेहतर बनाकर निरंतर उद्विकास में मदद किया उस पर निरंतर अमल करना होगा। जलवायु परिवर्तन की दशा में सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय कारणों से संघर्ष संभव है। यह संघर्ष अंततः सभ्ताओं के विनाश का कारण हो सकता है। हमें प्रागैतिहासिक काल में सोशल नेटवर्क्स के माध्यम से उत्तरजीविता सुनिश्चित होने के तथ्य को याद रखते हुये मानव जाति को बचाने का प्रयास करना होगा।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस में वरिष्ठ अधिकारी)

(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

'माँ'

पीएम मोदी मां के 100वें वर्ष में प्रवेश करने पर जन्मदिन पर भावुक होकर एक ब्लॉग पोस्ट किया है। जिसमें उन्होंनेअपनी जिंदगी की सारी बातें, उतार-चढ़ाव, सुख-दुख, सब कुछ दिल खोलकर लिखा है।

पीएम ने अपनी मां के बलिदानों और जीवन के ऐसे पहलुओं का जिक्र किया, जिन्होंने उनके (मोदी के) आत्म-विश्वास, मन एवं व्यक्तित्व को आकार दिया। पीएम मोदी गुजरात के वडनगर में अपने घर पहुंचे और मां के पैर धोकर आशीर्वाद लिया।

पीएम मोदी ने अपनी वेबसाइट .. पर अपने इस ब्लॉग को "मां" नाम दिया है। मोदी ने ब्लॉग में लिखा पिताजी आज होते, तो बीते हफ्ते वो भी 100 वर्ष के हो गए होते।

पीएम ने आगे लिखा, "मेरी मां का जन्म, मेहसाणा जिले के विसनगर में हुआ था। मेरी मां को अपनी मां यानि मेरी नानी का प्यार नसीब नहीं हुआ था। एक शताब्दी पहले आई वैश्विक महामारी ने मेरी नानी को भी मेरी मां से छीन लिया था। मां स्कूल का दरवाजा भी नहीं देखा। उन्होंने देखी तो सिर्फ गरीबी और घर में हर तरफ अभाव।"

माँ के साथ घर में हंसते प्रधानमंत्री मोदी।

पीएम मोदी ने लिखा, "बचपन के संघर्षों ने मेरी मां को उम्र से बहुत पहले बड़ा कर दिया था। और जब शादी हुई तो भी सबसे बड़ी बहू बनीं।

उन्होंने आगे लिखा, "घर चलाने के लिए दो चार पैसे ज्यादा मिल जाएं, इसके लिए मां दूसरों के घर के बर्तन भी मांजा करती थीं, चरखा भी चलाया करती थीं, कपास के छिलके से रूई निकालने का काम, रुई से धागे बनाने का काम, ये सब कुछ मां खुद ही करती थीं। उन्हें डर रहता था कि कपास के छिलकों के कांटें हमें चुभ ना जाएं।"

दुनिया का कोई भी कोना हो, कोई भी देश हो, हर संतान के मन में सबसे अनमोल स्नेह मां के लिए होता है।

पिछले ही हफ्ते मेरे भतीजे ने गांधीनगर से मां के कुछ वीडियो भेजे हैं। घर पर सोसायटी के कुछ नौजवान लड़के आए हैं, पिताजी की तस्वीर कुर्सी पर रखी है, भजन कीर्तन चल रहा है और मां मगन होकर भजन गा रही हैं, मंजीरा बजा रही हैं। मां आज भी वैसी ही हैं। शरीर की ऊर्जा भले कम हो गई है लेकिन मन की ऊर्जा यथावत है।

वडनगर के जिस घर में हम लोग रहा करते थे वो बहुत ही छोटा था। उस घर में कोई खिड़की नहीं थी, कोई बाथरूम नहीं था, कोई शौचालय नहीं था। कुल मिलाकर मिट्टी की दीवारों और खपरैल की छत से बना वो एक-डेढ़ कमरे का ढांचा ही हमारा घर था, उसी में मां-पिताजी, हम सब भाई-बहन रहा करते थे।

पिताजी चार बजे भोर में घर से निकल जाया करते थे। घर से निकलकर मंदिर जाना, प्रभु दर्शन करना और फिर चाय की दुकान पर पहुंच जाना उनका नित्य कर्म रहता था। मां को भी सुबह 4 बजे उठने की आदत थी। सुबह-सुबह गेहूं पीसना हो, बाजरा पीसना हो, चावल या दाल बीनना हो, सारे काम वो खुद करती थीं।

मुझे तालाब में नहाने का, तालाब में तैरने का बड़ा शौक था इसलिए मैं भी घर के कपड़े लेकर उन्हें तालाब में धोने के लिए निकल जाता था। कपड़े भी धुल जाते थे और मेरा खेल भी हो जाता था।

बारिश में हमारे घर में पानी टपकता, घर की दीवारों को नुकसान ना पहुंचे, इसलिए मां जमीन पर बर्तन रख दिया करती थीं। छत से टपकता हुआ पानी उसमें इकट्ठा होता रहता था। बाद में उसी पानी को मां घर के काम के लिए अगले 2-3 दिन तक इस्तेमाल करती थीं।

मां घर के भीतर की जमीन को गोबर से लीपती थीं। मां बिना खिड़की वाले उस घर में उपले पर ही खाना बनाती थीं। धुआं निकल नहीं पाता था इसलिए घर के भीतर की दीवारें बहुत जल्दी काली हो जाया करती थीं। मां मिट्टी की बहुत सुंदर कटोरियां बनाकर भी उन्हें सजाया करती थीं। पुरानी चीजों को रीसायकिल करने की हम भारतीयों में जो आदत है, मां उसकी भी चैंपियन रही हैं।

मां अकसर पुराने कागजों को भिगोकर, उसके साथ इमली के बीज पीसकर एक पेस्ट जैसा बना लेती थीं, फिर इस पेस्ट की मदद से वो दीवारों पर शीशे के टुकड़े चिपकाकर बहुत सुंदर चित्र बनाया करती थीं। मां इस बात को लेकर हमेशा बहुत नियम से चलती थीं कि बिस्तर बिल्कुल साफ-सुथरा हो। हर काम में पर्फेक्शन का उनका भाव इस उम्र में भी वैसा का वैसा ही है। और गांधीनगर में अब तो भैया का परिवार है, मेरे भतीजों का परिवार है, वो कोशिश करती हैं कि आज भी अपना सारा काम खुद ही करें।

दिल्ली से मैं जब भी गांधीनगर जाता हूं, तो मुझे अपने हाथ से मिठाई जरूर खिलाती हैं। और जैसे एक मां, किसी छोटे बच्चे को कुछ खिलाकर उसका मुंह पोंछती है, वैसे ही मेरी मां आज भी मुझे कुछ खिलाने के बाद किसी रुमाल से मेरा मुंह जरूर पोंछती हैं।

मुझे याद है, वडनगर में हमारे घर के पास जो नाली थी, जब उसकी सफाई के लिए कोई आता था, तो मां बिना चाय पिलाए, उसे जाने नहीं देती थीं।

गर्मी के दिनों में पक्षियों के लिए वो मिट्टी के बर्तनों में दाना और पानी जरूर रखा करती थीं। पिताजी अपनी चाय की दुकान से जो मलाई लाते थे, मां उससे बड़ा अच्छा घी बनाती थीं। और उस घी पर मोहल्ले की गायों का भी अधिकार था। मां हर रोज, नियम से गौमाता को रोटी खिलाती थी।

हमारे कस्बे में जब किसी के शादी-ब्याह में सामूहिक भोज का आयोजन होता था तो वहां जाने से पहले मां सभी को ये बात जरूर याद दिलाती थीं कि खाना खाते समय अन्न मत बर्बाद करना।

हमारे घर से थोड़ी दूर पर एक गांव था जिसमें मेरे पिताजी के बहुत करीबी दोस्त रहा करते थे। उनका बेटा था अब्बास। दोस्त की असमय मृत्यु के बाद पिताजी अब्बास को हमारे घर ही ले आए थे। अब्बास हमारे घर में ही रहकर पढ़ा। ईद पर मां, अब्बास के लिए उसकी पसंद के पकवान बनाती थीं।

हमारे घर के आसपास जब भी कोई साधु-संत आते थे तो मां उन्हें घर बुलाकर भोजन अवश्य कराती थीं। जब वो जाने लगते, तो मां अपने लिए नहीं बल्कि हम भाई-बहनों के लिए आशीर्वाद मांगती थीं।

आज लोग मां के पास जाकर पूछते हैं कि आपका बेटा पीएम है, आपको गर्व होता होगा, तो मां का जवाब बड़ा गहरा होता है। मां उन्हें कहती है कि जितना आपको गर्व होता है, उतना ही मुझे भी होता है।

अब तक दो बार ही ऐसा हुआ है जब मां किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में मेरे साथ आई हैं।

एक बार मैं जब एकता यात्रा के बाद श्रीनगर के लाल चौक पर तिरंगा फहरा कर लौटा था, तो अमदाबाद में हुए नागरिक सम्मान कार्यक्रम में मां ने मंच पर आकर मेरा टीका किया था। दूसरी बार वो सार्वजनिक तौर पर मेरे साथ तब आईं थी जब मैंने पहली बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी।

मुझे एक और वाकया याद आ रहा है। जब मैं सीएम बना था तो मेरे मन में इच्छा थी कि अपने सभी शिक्षकों का सार्वजनिक रूप से सम्मान करूं। मेरे मन में ये भी था कि मां तो मेरी सबसे बड़ी शिक्षक रही हैं, उनका भी सम्मान होना चाहिए। लेकिन उन्होंने कहा कि देख भाई, मैं तो निमित्त मात्र हूं। तुम्हारा मेरी कोख से जन्म लेना लिखा हुआ था। तुम्हें मैंने नहीं भगवान ने गढ़ा है।। ये कहकर मां उस कार्यक्रम में नहीं आई थीं। मेरे सभी शिक्षक आए थे, लेकिन मां उस कार्यक्रम से दूर ही रहीं।

कई बार मुझे वो कहती हैं कि देखो भाई, पब्लिक का आशीर्वाद तुम्हारे साथ है, ईश्वर का आशीर्वाद तुम्हारे साथ है, तुम्हें कभी कुछ नहीं होगा। वो बोलती हैं कि अपना शरीर हमेशा अच्छा रखना।

मां के नाम आज भी कोई संपत्ति नहीं है। मैंने उनके शरीर पर कभी सोना नहीं देखा। वो पहले भी सादगी से रहती थीं

- **मां दूसरों के घर के बर्तन भी मांजा करती थीं, चरखा भी चलाया करती थीं**
- **बड़नगर में हमारा घर बहुत छोटा था जिसमें खिड़की, शौचालय, बाथरूम नहीं था**

और आज भी वैसे ही अपने छोटे से कमरे में पूरी सादगी से रहती हैं।

ईश्वर पर मां की अगाथ आस्था है, हां, माला जपने की आदत सी पड़ गई है उन्हें। दिन भर भजन और माला जपना इतना ज्यादा हो जाता है कि नींद भी भूल जाती हैं। इतने बरस की होने के बावजूद, मां की याद्दाश्त अब भी बहुत अच्छी है।

2017 की बात है जब मैं यूपी चुनाव के आखिरी दिनों में, काशी में था। वहां से मैं अमदाबाद गया तो मां के लिए काशी से प्रसाद लेकर भी गया था। मां से मिला तो उन्होंने पूछा कि क्या काशी विश्वनाथ महादेव के दर्शन भी किए थे?

मां छोटे बच्चों के उपचार के कई देसी तरीके जानती हैं। वडनगर वाले घर में तो अक्सर हमारे यहां सुबह से ही कतार लग जाती थी।

दूसरों की इच्छा का सम्मान करने की भावना, दूसरों पर अपनी इच्छा ना थोपने की भावना, मैंने मां में बचपन से ही देखी है। खासतौर पर मुझे लेकर वो बहुत ध्यान रखती थीं कि वो मेरे और मेरे निर्णयों को बीच कभी दीवार ना बनें। उनसे मुझे हमेशा प्रोत्साहन ही मिला। मां ने कभी इसे बोझ नहीं माना। जैसे मैं महीनों-महीनों के लिए खाने में नमक छोड़ देता था। कई बार ऐसा होता था कि मैं हफ्तों-हफ्तों अन्न त्याग देता था, सिर्फ दूध ही पीया करता था। कभी तय कर लेता था कि अब 6 महीने तक मीठा नहीं खाऊंगा। सर्दी के दिनों में, मैं खुले में सोता था, नहाने के लिए मटके के ठंडे पानी से नहाया करता था। मैं अपनी परीक्षा स्वयं ही ले रहा था। मां मेरे मनोभावों को समझ रही थीं। वो कोई जिद नहीं करती थीं। वो यही कहती थीं- ठीक है भाई, जैसा तुम्हारा मन करे।

एक दिन आखिरकार मैंने मां-पिता को घर छोड़ने की इच्छा बताई और उनसे आशीर्वाद मांगा। मेरी बात सुनकर पिताजी बहुत दुखी हुए। वो थोड़ा खिन्न होकर बोले- तुम जानो, तुम्हारा काम जाने। लेकिन मैंने कहा कि मैं ऐसे बिना आशीर्वाद घर छोड़कर नहीं जाऊंगा। मां को मेरे बारे में सब कुछ पता था ही। उन्होंने फिर मेरे मन का सम्मान किया। वो बोलीं कि जो तुम्हारा मन करे, वही करो। हां, पिताजी की तसल्ली के लिए उन्होंने उनसे कहा कि वो चाहें तो मेरी जन्मपत्री किसी को दिखा लें। हमारे एक रिश्तेदार को ज्योतिष का भी ज्ञान था। पिताजी मेरी जन्मपत्री के साथ उनसे मिले। जन्मपत्री देखने के बाद उन्होंने कहा कि उसकी तो राह ही कुछ अलग है, ईश्वर ने जहां तय किया है, वो वहीं जाएगा।

इसके कुछ घंटों बाद ही मैंने घर छोड़ दिया था। तब तक पिताजी भी बहुत सहज हो चुके थे। पिताजी ने मुझे आशीर्वाद दिया। घर से निकलने से पहले मां ने मुझे दही और गुड़ भी खिलाया। वो जानती थीं कि अब मेरा आगे का जीवन कैसा होने जा रहा है। मां की ममता कितनी ही कठोर होने की कोशिश करे, जब उसकी संतान घर से दूर जा रही हो, तो पिघल ही जाती है। मां की आंख में आंसू थे लेकिन मेरे लिए खूब सारा आशीर्वाद भी था। घर छोड़ने के बाद के वर्षों में, मैं जहां रहा, जिस हाल में रहा, मां के आशीर्वाद की अनुभूति हमेशा मेरे साथ रही। मां मुझसे गुजराती में ही बात करती हैं।

मेरी मां ने हमेशा मुझे अपने सिद्धांत पर डटे रहने, गरीब के लिए काम करते रहने के लिए प्रेरित किया है। मुझे याद है, जब मेरा मुख्यमंत्री बनना तय हुआ तो मैं गुजरात में नहीं था। एयरपोर्ट से मैं सीधे मां से मिलने गया था। खुशी से भरी हुई मां का पहला सवाल यही था कि क्या तुम अब यहीं रहा करोगे? मां मेरा उत्तर जानती थीं। फिर मुझसे बोलीं- मुझे सरकार में तुम्हारा काम तो समझ नहीं आता लेकिन मैं बस यही चाहती हूं कि तुम कभी रिश्वत नहीं लेना।"

यहां दिल्ली आने के बाद मां से मिलना-जुलना और भी कम हो गया है। जब गांधीनगर जाता हूं तो कभी-कभार मां के घर जाना होता है। मां से मिलना होता है, बस कुछ पलों के लिए। लेकिन मां के मन में इसे लेकर कोई नाराजगी या दुख का भाव मैंने आज तक महसूस नहीं किया। मां का स्नेह मेरे लिए वैसा ही है, मां का आशीर्वाद मेरे लिए वैसा ही है। मां अकसर पूछती हैं- दिल्ली में अच्छा लगता है? मन लगता है? मां से जब भी फोन पर बात होती है तो यही कहती हैं कि देख भाई, कभी कोई गलत काम मत करना, बुरा काम मत करना, गरीब के लिए काम करना।

गरीबी से जूझते हुए परिस्थितियां कैसी भी रही हों, मेरे माता-पिता ने ना कभी ईमानदारी का रास्ता छोड़ा ना ही अपने स्वाभिमान से समझौता किया। उनके पास हर मुश्किल से निकलने का एक ही तरीका था- मेहनत, दिन रात मेहनत। मेरी मां आज भी इसी प्रयास में रहती हैं कि किसी पर बोझ नहीं बनें, जितना संभव हो पाए, अपने काम खुद करें। आज भी जब मैं मां से मिलता हूं, तो वो हमेशा कहती हैं कि मैं मरते समय तक किसी की सेवा नहीं लेना चाहती, बस ऐसे ही चलते-फिरते चले जाने की इच्छा है।

अभाव की हर कथा से बहुत ऊपर, एक मां की गौरव गाथा होती है।

संघर्ष के हर पल से बहुत ऊपर, एक मां की इच्छाशक्ति होती है।

मां, आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

आपका जन्म शताब्दी वर्ष शुरू होने जा रहा है।

सार्वजनिक रूप से कभी आपके लिए इतना लिखने का, इतना कहने का साहस नहीं कर पाया।

आप स्वस्थ रहें, हम सभी पर आपका आशीर्वाद बना रहे, ईश्वर से यही प्रार्थना है।

अपनी अधिकारिक वैबसाइट पर 'माँ' शीर्षक से लिखा गया ब्लॉग

सांवलिया सेठ के दरबार में दो हजार किलो की स्टील रेलिंग लगवाई

रेलिंग से महिला एवं पुरुष पंक्तिबद्ध क्रम से मंदिर में प्रवेश कर सकेंगे

मंडफिया,(निसं)। दानदाताओं की ओर से भगवान श्री सांवलिया जी सेठ के दरबार में 2 हजार किलोग्राम स्टील की रेलिंग लगाई।

मंदिर प्रभारी राजेंद्र शर्मा ने बताया कि दानदाता कंचन इंडिया लिमिटेड भीलवाड़ा के मालिक लादूराम बांगर एवं कृष्ण गोपाल बांगर की ओर से भगवान श्री सांवलिया सेठ मंदिर के मुख्य सिंह द्वार पर दर्शनार्थियों के मंदिर में जाने के लिए 2 हजार किलोग्राम की भारी स्टील की रेलिंग लगाई गई। मंदिर प्रभारी शर्मा ने बताया कि इससे महिला एवं पुरुष अलग-अलग पंक्तिबद्ध क्रम से मंदिर में प्रवेश कर सकेंगे। शर्मा ने बताया कि इन्हीं दानदाता द्वारा पूर्व में मंदिर में 5 हजार किलोग्राम पीतल की रेलिंग लगाई गई एवं मंदिर कॉरीडोर में 75 पंखे भी लगाए गए। मंदिर मंडल की ओर से मंदिर प्रभारी राजेंद्र शर्मा ने दानदाताओं का उपरना, प्रसाद एवं भगवान की तस्वीर भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया।

भगवान श्री सांवलिया सेठ के मंदिर में दानदाता कंचन इंडिया लिमिटेड भीलवाड़ा के मालिक लादूराम बांगर एवं कृष्ण गोपाल बांगर की ओर से मुख्य सिंह द्वार पर दो हजार किलो की स्टील की रेलिंग लगाई गई।

- **मंदिर प्रभारी ने दानदाताओं का उपरना, प्रसाद एवं भगवान की तस्वीर भेंट कर स्वागत किया**

राशिफल रविवार 19 जून, 2022

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2079, धनिष्ठा नक्षत्र प्रातः 5:56 तक, विष्कुम्भ योग दिन 10:51 तक, गर करण दिन 11:19 तक, चन्द्रमा कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-मीन, बुध-वृष, गुरू-मीन, शुक्र-वृष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

रवियोग प्रातः 5:56 से 4:53 तक है। त्रिपुष्कर योग रात्रि 4:53 से सूर्योदय तक है। भद्रा रात्रि 10:19 से सोमवार दिन 9:40 तक रहेगी। आज पंचक और फादर्स डे है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:20 से 9:03 तक, लाभ-अमृत 9:03 से 12:28 तक, शुभ 2:11 से 3:53 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:19

मेष
परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

वृष
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मिथुन
धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कर्क
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों में विलम्ब हो सकता है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। मन में असंतोष और भय बना रहेगा। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

कन्या
ावीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में मांगलिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

तुला
व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मन खिन्न हो सकता है और भागदौड़ रहेगी। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों से संबंध में दुविधा बनी रहेगी। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है।

वृश्चिक
परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। अतिथियों के कारण दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। आवश्यक कार्यों को टालना पड़ सकता है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है और मनोरंजन के कार्यक्रम बनेंगे। परिवार में सुख-सुविधाओं पर धन खर्च हो सकता है।

मकर
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंध में सोच-विचार हो सकता है। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

कुंभ
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।है। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

मीन
स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौनसिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 14 संख्याः 228 प्रभात हिण्डौन सिटी, रविवार 19 जून, 2022 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

माइग्रेट करने वाले टर्टल असल में नहीं जानते की वो कहां जा रहे हैं। हाल ही में एक शोध में पता लगा है कि हॉक्सबिल टर्टल छोटी सी दूरी के लिए भी चक्करदार रास्ते का प्रयोग करते हैं। एक बार एक टर्टन ने मात्र 176 किलोमीटर दूर स्थित एक द्वीप तक पहुंचने के लिए 1306 किलोमीटर दूरी तय की। वैज्ञानिकों की एक अन्तर्राष्ट्रीय टीम ने हॉक्सबिल टर्टल की गतिविधियों को उस समय मैप किया, जब वो चागस द्वीप समूह के अपने प्रजनन क्षेत्र से भोजन की तलाश में निकले। चागस द्वीप समूह और उनके भोजन के ठिकाने दोनों ही हिंद महासागर में हैं। अध्ययन में पाया गया कि, टर्टल ने छोटी दूरी तक माइग्रेट करने के लिए घुमावदार रास्ता तय किया, जिससे यह बात समझ में आती है कि खुले समुद्र में उनकी नैविगेशनल सूझबूझ काफी कम होती है। शोध में पाया गया कि एक टर्टल ने अपने लक्ष्य तक पहुँचने के लिए 7 गुना ज्यादा दूरी तय की। टीम ने नैस्टिंग पूर्ण कर चुके 22 हॉक्सबिल टर्टल के टैग लगाकर उन्हें ट्रैक किया। डीकिन युनिवर्सिटी के वैज्ञानिक और प्रथम शोध लेखक, प्रोफेसर ग्रेअम हेज़ ने कहा कि ''अगर वे ''परफैक्ट नैवीगेटर्स'' होते तो अपने प्राकृतिक आवास से भोजन स्थल तक जाने का सीधा रास्ता लेते।'' उन्होंने कहा, ''हम जिन टर्टल को ट्रैक कर रहे थे उन्होंने 4-5 महीनों से कुछ भी नहीं खाया भी नहीं था।'' पूर्व के एक शोध में कहा गया था कि, कछुए संभवतया अपने जन्म स्थल की मैग्नैटिक फील्ड को पहचानते हैं और बाद में अण्डे देने वहीं लौटते हैं और संभवतया वो पृथ्वी के चुम्बकीय फील्ड में परिवर्तन का भी पता लगा लेते हैं जिसकी मदद से समुद्र में नैविगेशन करते हैं। हेज़ ने कहा, ''नए शोध का सुझाव था कि, टर्टल जियोमैग्नैटिक नक्शे का उपयोग ज़रुर कर रहे हैं लेकिन उनका तरीका सुघड़ नहीं है। इसलिए टर्टल एकदम सीधे रास्ते पर नहीं जा पाते बल्कि लम्बा रास्ता चुनते हैं।'' हेज़ ने कहा, ''दूसरी तरफ, ग्रीन टर्टल 5000 किलोमीटर तक माइग्रेशन करते हैं, वे हिंदमहासागर को पार कर अफ्रीका के तट तक जाते हैं।'' नई रिसर्च कहती है कि, टर्टल की जिओमैग्नैटिक मैप समझ इतनी अच्छी नहीं होती कि वे अपनी मंज़िल का पता लगा सकें। हालांकि, मंज़िल के करीब होने पर वे गंध और लैण्ड मार्क की स्मृति का इस्तेमाल करके वहाँ पहुँच जाते हैं।

सरकार ने ''अग्निपथ'' भर्ती प्रोग्राम पर अडिग रहने का इरादा जताया

पर प्रदर्शनकारियों पर ठण्डे छीटें भी डाले, अग्निवीरों को सैन्ट्रल फोर्सेज़ में 10 प्रतिशत आरक्षण देना स्वीकार किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जून। नई सैन्य भर्ती ''अग्निपथ'' योजना के खिलाफ हो रहे विरोध-प्रदर्शन के आठ राज्यों में फैल जाने के फलस्वरूप, सरकार ने आज युवाओं के आक्रोश को कम करने के लिए दिये गये प्रलोभन के अन्तर्गत घोषणा कर दी कि ''अग्निवीरों'' को सैन्ट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेज़ (सी.ए.पी.एफ.) तथा असम राइफल्स में 10 प्रतिशत आरक्षण दिया जायेगा।

ऐसा लगता है कि सरकार नर्म रुख अपनाने के मूड में नहीं है तथा विपक्ष की माँग या अपील को तवज्जो देने के लिये भी तैयार नहीं है। आम जनता में बन चुकी अपनी खराब छवि को बचाने तथा बनाये रखने की खातिर, जनमत या विरोध के आगे नहीं झुकने की अपनी नीति पर चलते हुये, मोदी सरकार अपनी घोषित अग्निपथ योजना पर अड़ी हुई है। यह अलग बात है कि सरकार ने कुछ सुविधा जरूर प्रदान कर दी है।

बिहार, जहाँ विरोध प्रदर्शन बहुत बड़े पैमाने पर हो रहे हैं, में भाजपा के सहयोग से बनी गठबंधन सरकार को चलाने वाले जनता दल (यूनाइटेड) ने जहाँ केन्द्र सरकार से इस योजना पर पुनर्विचार करने के लिये कहा है, वहीं विपक्षी दल माँग कर रहे हैं कि इस योजना को वापस लिया जाये या फिर विशेषज्ञों तथा हितधारकों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श करने के बाद इसे कुछ समय बाद लॉन्च किया जाये।

- **सोनिया गांधी ने अग्निवीरों को भरोसा दिलाया कि, कांग्रेस अग्निपथ स्कीम वापस लिए जाने के लिये उनके साथ है।**
- **बिहार में भाजपा के साथ गठबंधन सरकार में शामिल जद (यू) ने भी अग्निपथ स्कीम पर पुनर्विचार करने के लिये दबाव बनाया।**
- **रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जरूर पुरज़ोर ढंग से कहा कि, यह स्कीम लागू करने से पहले पूर्व सैनिकों व सेना के वर्तमान अफसरों के साथ बैठकर काफी मंथन व सलाह मशविरा हुआ है।**
- **गृह मंत्रालय ने अर्द्ध सैनिक बलों में भर्ती के लिये निर्धारित आयु सीमा में अग्निवीरों के लिये तीन साल की रियायत देने का भी निर्णय लिया है।**
- **हरियाणा के महेन्द्रगढ़ रेलवे स्टेशन के अलावा पंजाब के लुधियाना स्टेशन पर भी प्रदर्शनकारियों ने काफी तोड़-फोड़ की।**
- **बिहार में प्रदर्शनकारियों ने लगभग एक दर्जन रेल गाड़ियों में आग लगायी।**

जे.डी. (यू.) प्रवक्ता के.सी. त्यागी ने कहा कि उनकी पार्टी इसे वापस लेने के लिये नहीं, बल्कि, व्यापक युवा-आक्रोश के चलते, इस पर पुनर्विचार करने के लिये कह रही है।

सरकार पर दबाव डालते हुये, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी अग्निपथ भर्ती योजना के खिलाफ आंदोलन कर रहे युवाओं को दिये एक संदेश में, उनसे अपील की कि वे शान्तिपूर्ण एवं अहिंसक विरोध करते रहें। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस अपनी पूरी ताकत के साथ आपके साथ खड़ी हैं तथा इस योजना को वापस कराने के लिये संघर्ष करती रहेंगी।'' ज्ञातव्य है कि सोनिया गांधी इस समय अस्पताल में भर्ती है तथा कोविड के बाद की अपनी तकलीफ से उबर रही हैं। विपक्ष की माँगों के प्रतिकार की कोशिश के अन्तर्गत, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरु प्रकाश पासवान जो बिहार के रहने वाले हैं, को सत्तारूढ़ दल ने यह कड़ा संदेश देने के लिये मैदान में उतार दिया है कि अग्निपथ के खिलाफ हो रहा आंदोलन गलत एवं भ्रामक जानकारी का नतीजा है। पासवान ने कहा कि इस योजना को तैयार किये जाने से पहले, पूर्व सैन्य अधिकारियों एवं पूर्व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री ने गुजरात पर रेलवे प्रोजैक्ट्स की बारिश की

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जून। प्रधानमंत्री ने आज अपने गृह राज्य गुजरात को 16 हजार करोड़ रूपयों की रेल परियोजनाओं की सौगात दी। गुजरात में आगामी नवम्बर माह में विधानसभा चुनाव होने हैं।

एन.डी.ए. सरकार ने संसद में अलग से रेल बजट प्रस्तुत करने की 92 वर्ष पुरानी प्रथा को वर्ष 2016 में तिलांजलि दे दी थी। तब यह तर्क दिया गया था कि सार्वजनिक परिवहन के इस साधन को पुरानी लोकलुभावन संस्कृति के जाल से मुक्त करने की आवश्यकता है। तब से लेकर अब छह वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन स्थिति ज्यों की त्यों है। संसद में अलग से रेल बजट पेश करने की परम्परा खत्म कर रेल मंत्रियों से फोकस खत्म कर दिया गया है। अब प्रधानमंत्री सहित सशक्त राजनेता बड़ी रेल योजनाओं की घोषणा कर वाहवाही लूटते हैं खासकर चुनाव के मौसम में, जैसा यू.पी. में हुआ था।

प्रधानमंत्री ने जिन रेल प्रोजैक्ट्स की घोषणाएं की हैं, उनमें पालनपुर-मदार के डैडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के नए 357 कि.मी. लम्बे खण्ड का शिलान्यास अहमदाबाद-बोटाद खण्ड की 166 कि.मी. लाइन का गेज परिवर्तन और 81 कि.मी. लम्बे पालनपुर-मीठा खण्ड का विद्युतीकरण शामिल है।

- **संसद में अलग से रेलवे बजट पेश होने की परम्परा खत्म होने से रेल मंत्री पर बजट के दौरान फोकस तो खत्म हुआ ही, साथ ही प्र.मंत्री व वरिष्ठ मंत्रियों को बड़े-बड़े रेलवे प्रोजैक्ट्स की घोषणा करने का सदाबहार मौका मिल गया।**
- **इस मौके का भरपूर फायदा उठाया जाता है चुनाव के मौसम में, जैसा कि यू.पी. के चुनाव के समय देखा गया था।**

सूरत में हाई स्पीड स्टेशन का निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है, जबकि सूरत से गुजरने वाली प्रस्तावित मुम्बई-अहमदाबाद हाई स्पीड लाइन के लिए अगस्त माह में 50 कि.मी. लम्बी ट्रायल की योजना है।

संभावना है प्रधानमंत्री अपनी आगामी गुजरात यात्रा के दौरान इन परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे।

इस वर्ष की शुरूआत में हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पूर्व एन.डी.ए. नेताओं ने इसी प्रकार की कुछ रेल परियोजनाओं की घोषणा की थी। इनमें पीलीभीत से शाहजहांपुर की 83 कि.मी. लम्बी लाइन का गेज परिवर्तन, उतरेलिया से रायबरेली तक 60 कि.मी. लम्बी नई रेल लाइन, गाजीपुर से अन्निहार की 40 कि.मी. लाइन और अयोध्या से वाराणसी का विद्युतीकरण प्रोजैक्ट शामिल था।

पूर्व के रेल मंत्री जहां फण्ड्स को लेकर जद्दोजहद करते थे और अपने निर्णयों के लिए तत्कालीन योनजा आयोग या वित्त मंत्रालय के प्रति जवाबदेह हुआ करते थे, वहीं अब रेल बजट की अलग व्यवस्था के अभाव में मंत्रालय का अपने व्यय पर बाह्य व आंतरिक नियंत्रण नहीं रह गया है और रेलवे की कायापलट करने का वादा भी पूरा नहीं हुआ है।

नया मीडिया सैटअप

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जून। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा रणदीप सिंह सुरजेवाला की जगह पार्टी सांसद जयराम रमेश (68) को सोशल और डिजिटल मीडिया सहित संचार, प्रचार और मीडिया का प्रभारी बनाए जाने के बाद राजस्थान के सांसद पवन खेड़ा (53) को नए संचार विभाग में मीडिया और प्रचार का चेयरमैन बनाया गया है।

- **जयराम रमेश को कांग्रेस का मीडिया प्रभारी बनाया गया है तथा पवन खेड़ा डिजिटल मीडिया का कामकाज देखेंगे।**

दिल्ली से ताल्लुक रखने वाले खेड़ा उस वक्त पार्टी प्रवक्ता थे जब सुरजेवाला संचार विभाग के प्रमुख थे। हाल ही हुए राज्यसभा चुनावों में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मंत्री हैं या सेल्समैन?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जून। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष कन्हैया कुमार ने शनिवार को प्रधानमंत्री की भर्त्सना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने मंत्रियों का कद घटाकर उन्हें ''अग्निपथ'' भर्ती योजना का प्रचार करने में उसी तरह से लगा दिया है, जैसे कि कोई सेल्समैन किसी रेलवे स्टेशन के बाहर चूहे मारने की दवा का फॉर्मूला बेचता है।

कन्हैया कुमार अब कांग्रेस में हैं और ए.आई.सी.सी. के नए मीडिया प्रमुख पवन खेड़ा और पार्टी सांसद प्रमोद तिवारी के साथ यहां ए.आई.सी.सी. मुख्यालय पर एक संयुक्त प्रैस कांफ्रैंस को संबोधित कर रहे थे। प्रैस कांफ्रैंस का उद्देश्य सरकार पर यह दबाव डालना था कि वह बिना किसी विचार-विमर्श के लागू की गई इस योजना को वापस ले।

उक्त तीनों नेताओं ने इस स्कीम के खिलाफ आंदोलनरत युवाओं, खासकर बिहार के युवाओं से अपील की कि वे शांत और अहिंसक रहे, तभी उनका संघर्ष सफल होगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस पर चुप्पी साध रखी है कि सेना में प्रति वर्ष रिक्त होने वाले 55 हजार पदों को नियमित प्रक्रिया से ना भरे जाने के क्या कारण हैं।

खेड़ा ने जोर देकर कहा कि सरकार बात सेना का असैन्यीकरण कर 75 प्रतिशत प्रशिक्षित सैनिकों को पुनः सार्वजनिक जीवन में लाकर समाज का सैन्यीकरण करना है।

प्रमोद तिवारी ने इस स्कीम को ''नो रैंक, नो पेंशन, ओनली टैंशन विद्आउट डॉयरैक्शन'' की संज्ञा दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस बात को लेकर अधिक

- **जवाहर लाल नेहरू युनिवर्सिटी स्टूडैंट यूनियन के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार ने प्र.मंत्री मोदी पर कटाक्ष किया।**
- **कन्हैया कुमार के अनुसार केन्द्रीय मंत्री अब ठीक उसी तरह अग्निपथ स्कीम की मार्केटिंग करने में व्यस्त हैं, जैसे स्टेशन के बाहर ठेले वाले चूहे मारने की दवा की मार्केटिंग में मशगूल रहते हैं।**

सशस्त्र सेनाओं में आर.एस.एस. की घुसपैठ कराने के लिए अग्निपथ योजना लायी है और इसके लिए ऐसे 25 प्रतिशत की पहचान की गई है जो उसकी विचारधारा का अनुसरण करते हैं। उन्होंने कहा कि इससे भी अधिक गंभीर चिंतित है कि सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त करीब 75 प्रतिशत युवा पुनः समाज में आएंगे, जिससे खुले आम घूमने वाले सशस्त्र लोगों की गैंग्स बन सकती है। कन्हैया ने कहा कि मोदी के सेल्समैन लॉलीपॉप

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'होटल 17 लाख रूपए वापस लौटाए'

जयपुर, 18 जून (का.सं.)। राज्य उपभोक्ता आयोग ने अपने एक फैसले में कहा है कि वर पक्ष की ओर से विवाह से इन्कार करने पर शादी समारोह निरस्त होने की स्थिति वधु पक्ष के नियंत्रण के बाहर की है।

परिवाद में अधिवक्ता भूपेन्द्र पारीक ने आयोग को बताया कि परिवादी ने अपनी बेटी के 17 अप्रैल 2019 को शादी समारोह के लिए प्रतिवादी होटल से 9 फरवरी को एग्रीमेंट किया था। उसके पेटे परिवादी की ओर से 9 अप्रैल तक कुल बीस लाख रुपए होटल प्रबंधन को अदा किए गए। लेकिन वर पक्ष ने

- **वधु पक्ष ने शादी के लिए होटल वालों को 20 लाख रू. जमा कराये थे।**
- **उपभोक्ता आयोग ने कहा कि, शादी कैंसिल होना अकेले वधु पक्ष के नियंत्रण की बात नहीं, होटल 17 लाख रू. वापस लौटाये।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या ट्रम्प, अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के लिये अब कभी चुनाव नहीं लड़ सकेंगे?

अमेरिका के जस्टिस डिपार्टमैंट ने ट्रम्प पर ऑफिशियली 6 जनवरी, 2021 को संसद व सत्ता के प्रशासनिक केन्द्र पर हमला करने व हिंसा फैलाने के लिये प्रेरित का आरोप लगाया है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जून। यू.एस. डिपार्टमैंट ऑफ जस्टिस (डी.ओ.जी.) ने 6 जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद पर हुए हमले को भड़काने, उसका समर्थन करने और वर्ष 2020 के राष्ट्रपति चुनाव को बदलने को लेकर पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के खिलाफ अभियोग चलाया है। एक नए सर्वेक्षण के अनुसार डी.ओ.जी. के इस कदम का उन अधिकांश अमेरीकियों ने समर्थन किया है, जिनका मानना है कि इस हमले के संबंध में ट्रम्प के खिलाफ आपराधिक केस चलना चाहिए।

नैवीगेटर रिसर्च द्वारा किए गए एक सर्वे में पाया गया कि 54 प्रतिशत प्रतिभागी अमेरिकी संसद में हुए दंगे को लेकर पूर्व राष्ट्रपति पर अभियोग चलाने के डिपार्टमैंट ऑफ जस्टिस के विचार के समर्थन में थे, जबकि 37 प्रतिशत प्रतिभागियों ने इस सुझाव का विरोध किया।

सर्वेक्षण के डेटा बताते हैं कि रिपब्लिकन्स ही वह पक्षपाती ग्रुप है जिसके अधिकांश नेता और कार्यकर्ता यह नहीं चाहते कि अमेरिकी संसद भवन में हुए दंगों में ट्रम्प की भूमिका के लिए उन पर मुकदमा दर्ज किया जाए। ट्रम्प समर्थकों ने जब संसद भवन पर हमला किया था तब उसके अंदर मौजूद कांग्रेस सदस्य जो बाइडन की जीत को सत्यापित कर रहे थे।

करीब तीन चौथाई (71 प्रतिशत) रिपब्लिकन्स ने हमले में ट्रम्प की भूमिका को लेकर उनके विरूद्ध डी.ओ.जी. के आपराधिक आरोपों के खिलाफ विचार व्यक्त किए, जबकि 21 प्रतिशत ने इस विचार का समर्थन किया।

इसकी तुलना में 86 प्रतिशत डैमोक्रेट्स और 47 प्रतिशत निर्दलियों ने कहा कि संसद भवन में हुए दंगों को लेकर वे ट्रम्प पर अभियोग चलाने के समर्थन में हैं।

सर्वे के अनुसार पांच में से चार अश्वेत प्रतिभागियों (80 प्रतिशत) का भी मानना था कि ट्रम्प पर मुकदमा दर्ज होना चाहिए और 49 प्रतिशत श्वेत प्रतिभागियों, 58 प्रतिशत हिस्पैनिक वोटर्स तथआ 65 प्रतिशत एशियन अमेरिकन व पैसिफिक आईलैण्डर्स ने इस विचार का समर्थन किया।

- **54 प्रतिशत जनता ट्रम्प के खिलाफ मुकदमा चलाने के पक्ष में है।**
- **अगर यह आरोप सिद्ध हो जाता है तो, ट्रम्प को दोबारा राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने की इजाज़त नहीं मिल पायेगी।**

नैवीगेटर रिसर्च ने गत 9 जून से 13 जून तक सर्वेक्षण किया था जिसमें 998 रजिस्टर्ड वोटर्स को शामिल किया गया था। नैवीगेटर रिसर्च स्वयं को आकर्षक प्रगतिशील संदेशों के वितरण और ज्वलंत मुद्दों पर पोलिंग का एक विश्वस्त स्त्रोत मानता है।

सर्वे में यह भी पाया गया कि रायशुमारी में शामिल 13 प्रतिशत डैमोक्रेट्स, ट्रम्प समर्थकों द्वारा 6 जनवरी को की गई कार्रवाई के समर्थन में थे और एक तिहाई (33 प्रतिशत) रिपब्लिकन्स का कहना था कि वे अपने कार्य को सही मानते हैं।

सर्वे में भाग लेने वाले अधिकांश विभिन्न आबादी समूहों ने कहा कि उन्होंने हाउस सलैक्ट कमेटी की लाइव हीयरिंग्स में 6 जनवरी के बारे में ''बहुत कुछ'' या ''कुछ'' सुना है।

रायशुमारी में शामिल कुल 64 प्रतिशत ने कहा कि वे संसद भवन हमले में कमेटी की जांच का समर्थन करते हैं। इसकी तुलना में 28 प्रतिशत ने कहा कि वे इसके विरोध में हैं।

जांच कार्रवाई को रिपब्लिकन्स का भी अच्छा-खासा समर्थन मिला है। सर्वे में शामिल हुए 40 प्रतिशत ने कहा कि वे इसके समर्थन में हैं, जबकि 51 प्रतिशत ने कहा कि वे इसके खिलाफ हैं।

यदि हाउस कमेटी ट्रम्प को दोषी मान लेती है तो क्या होगा? विश्लेषक तर्क देते हैं कि ऐसी स्थिति में ट्रम्प पर महाभियोग चलाया जा सकता है। चूंकि महाभियोग एक आपराधिक प्रक्रिया की तुलना में एक राजनीतिक प्रक्रिया है, इसलिए ट्रम्प को यदि आपराधिक न्याय प्रणाली के तहत सफल रूप से दोषी ठहराया जाता है तो पिछली बार सीनेट में दोषी ठहराए जाने के विपरीत उन पर सदन पर एक बार फिर से महाभियोग चलाना आसान होगा।

यह ध्यान देने योग्य है कि अमेरिका के संविधान में ऐसा कुछ नहीं है जो यह कहता हो तो कि यदि छोड़ने के बाद राष्ट्रपति पर महाभियोग नहीं लगाया जा सकता।

ट्रम्प से बदला लेने के लिए यह कार्यवाही व्यर्थ नहीं बल्कि एक रोग निरोधक उपाय होगा। संविधान में महाभियोग और दोषी ठहराए जाने के लिए जो सजा निर्धारित है, उसमें किसी अमेरिका में सम्मान का पद पाने, ट्रस्ट या लाभ का पद पाने के अयोग्य घोषित होना शामिल है। अन्य शब्दों में महाभियोग चलाए गए या दोषी ठहराए गए ट्रम्प राष्ट्रपति चुनाव फिर से कभी नहीं लड़ सकेंगे।

'माफीवीर'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जून। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को ट्वीट किया कि पूरे देश के आंदोलनरत युवाओं, जो ''अग्निवीर'' बनने से इनकार कर रहे हैं, के दबाव के परिणामस्वरूप, प्रधानमंत्री मोदी को ''माफी वीर'' बनते हुये, ''अग्निपथ'' योजना वापस लेनी पड़ेगी, ठीक वैसे ही, जैसे किसानों के एक साल के आंदोलन

- **अग्निपथ योजना के खिलाफ देशभर में हो रहे विरोध प्रदर्शनों के संदर्भ में राहुल गांधी ने प्र.मंत्री मोदी पर कटाक्ष किया।**

के दबाव के बाद, उन्होंने काले कृषि कानून वापस लिये थे।

उन्होंने कहा कि मोदी की भाजपा सरकार पिछले आठ साल से ''जय जवान, जय किसान'' के मूल्यों का लगातार अपमान करती आ रही है।

राहुल गांधी कि बहिन तथा कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने 29 मार्च 2020 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर सैनिकों की भर्ती करने का आग्रह किया था। उन्होंने ट्वीट किया था कि वे उन ग्रामीण युवाओं के दर्द को समझें, जो सशस्त्र सेनाओं में भर्ती के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गर्भवती पत्नी, पति और बेटी को कार ने कुचला, तीनों की मौत

तीन साल का दूसरा बच्चा उछलकर दूर जा गिरा जिससे वह बच गया

अलवर, (निसं)। अलवर में दर्दनाक सड़क हादसे में पति-पत्नी और 6 साल की बेटी की मौत हो गई। 3 साल का दूसरा बच्चा उछलकर दूर गिरा और वह बच गया। आमने-सामने हुई टक्कर में तीन परिजनों की मौत से परिवार भी सदमे में आ गया। महिला गर्भवती थी। हादसा शुक्रवार शाम करीब 8 बजे अलवर-भरतपुर मार्ग पर जुगरावर टोल नाके के पास हुआ।

पत्नी सरिता(28), बेटी मन्नू(6) और 3 साल के बेटे कृष्णा को लेकर बख्तल की चौकी निवासी नरेश(32) बाइक पर ससुराल जा रहा था। सरिता को अपने परिजनों से मिलना था, लेकिन रास्ते में जुगरावर टोल नाके के पास सामने से स्पीड में आ रही कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में नरेश के 3 साल का बेटा कृष्णा हवा में उछल 30 मीटर दूर सडक पर जा गिरा। पुलिस मौके पर पहुंची और चारों को बडौदामेव अस्पताल लेकर आए। यहां से घायलों को अलवर रैफर किया गया, जहां नरेश, सरिता और मन्नू की मौत हो गई। कृष्णा बुरी तरह से घायल हो गया, उसका इलाज चल रहा है।

- **ड्राइवर रामचरण और उसका साथी शिवराज भी घायल हो गये**
- **कार स्पीड में थी जो टक्कर मारने के बाद बाइक को घसीटते हुए दूर तक ले गई**

मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि कार ड्राइवर घाट निवासी पप्पू उर्फ रामचरण जोगी स्पीड में था। टक्कर मारने के बाद भी वह बाइक को घसीटता हुआ दूर तक ले गया। इसके बाद कार नदी में पलट गई। इस हादसे में कार ड्राइवर रामचरण और उसका साथी टोंक निवासी शिवराज भी घायल हो गया।

पुलिस ने बताया कि शनिवार सुबह पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिये। चंद सेकंड में परिवार खत्म हो गया। मृतक के भाई ने बताया कि नरेश गोल गप्पे की दुकान करता था। अब 3 साल के मासूम के अलावा कोई नहीं बचा है।

पिस्तौल से फायरिंग कर फैलाई दहशत

पावटा, (निसं)। विराटनगर क्षेत्र के मैड कस्बे में अज्ञात मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने प्रतापगढ़ सड़क मार्ग पर फायरिंग कर दहशत फैलाते हुए मौके से फरार हो गए। अचानक मुख्य बाजार में हुई फायरिंग की घटना से इलाके में दहशत का माहौल हो गया। बाइक सवार फायरिंग कर मौके से फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया। शनिवार सुबह मैड कस्बे में स्थानीय ग्रामीणों ने फायरिंग की घटना का विरोध जताते हुए बाजारों को बंद कर दिया और पुलिस एवं प्रशासन से दोषियों के खिलाफ कडी कार्रवाई की मांग की। मुख्य बाजार बंद होने की सूचना पर विराटनगर थाना प्रभारी सोहन लाल जाब्ते के साथ ग्राम पंचायत भवन मैड पहुंचे। जहां सरपंच प्रति निधि मनोज रातावाल सहित स्थानीय ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधियों ने फायरिंग की घटना का कडा विरोध जताते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

खनिज सहायक अभियंता विजिलेंस 50 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

कांकरोली स्थित मकान की तलाशी में 1 लाख 35 रुपए नकद बरामद किये

राजसमंद, (निसं)। भ्रष्टाचार के खिलाफ राजस्थान में एसीबी की कार्रवाई लगातार जारी है इसी क्रम में शनिवार को राजसमंद एसीबी ने माइनिंग विभाग के सहायक अभियंता विजिलेंस राजेंद्र लालस को 50 हजार की रिश्वत लेते हुए ट्रैप किया है। एसीबी टीम ने आरोपी के कांकरोली स्थित मकान की तलाशी में 1 लाख 35 रुपए नकद भी बरामद किया है। राजसमंद एएसपी डीएसपी अनूप सिंह ने बताया कि परिवादी द्वारा एसीबी कार्यालय में एक शिकायत दर्ज कराई गई।

राजेन्द्र लालस

दर्ज शिकायत में बताया कि गिट्टी क्रेशर प्लांट को सुचारू रूप से चलने देना एवं निरीक्षण के दौरान नाजायज परेशान नहीं करने की एवज में आरोपी सहायक खनिज अभियंता विजिलेंस राजेंद्र लालस पुत्र चण्डीदान लालस निवासी मोहननगर, बीजेएस कॉलोनी जोधपुर हाल कालिंदी विहार कांकरोली ने उससे 1 लाख रुपए रिश्वत राशि की मांग की है और परेशान किया जा रहा है। जिस पर एसीबी की टीम ने शिकायत का सत्यापन करने के बाद ट्रेप की कार्रवाई करते हुए राजेंद्र लालस को 50 हजार की रिश्वत के साथ गिरफ्तार किया।

एसीबी द्वारा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। वही आरोपी को उदयपुर एसीबी कोर्ट में पेश किया जाएगा।

अग्निपथ योजना: जोधपुर शहर में पांच जनों को पुलिस ने हिरासत में लिया

- **सोशल मीडिया पर चल रहे संदेशों से युवा जुटने लगे थे**

जोधपुर, (कासं)। भारतीय सेना में होने जा रही अग्निवीरों की भर्ती के विरोध में शनिवार को भी प्रदर्शन जारी रहा। जोधपुर में सुबह कुछ जने एकत्र हो गए। पुलिस ने अलर्ट रहते हुए पांच जनों को मौके से दस्यताब कर गाड़ी में बिठाया। इन्हें समझाइश कर बाद में छोड़ दिया गया। पुलिस आयुक्तालय ने शुक्रवार को एक संदेश जारी कर युवाओं को विरोध प्रदर्शन से दूर रहने की नसीहत दी थी। अन्यथा उनकी नौकरी खतरे में पड़ सकती है। सोशल मीडिया पर चल रहे संदेशों के चलते युवा जगह -जगह एकत्र होने लगे हैं। जोधपुर में आज पुलिस ने विरोध प्रदर्शन नाकाम कर दिया। शहर में आज चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात की गई है, ताकि विरोध प्रदर्शन के लिए छात्रों को एकत्र होने से रोका जा सके।

खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर शनिवार पुलिस पहले से सतर्क हो गई। शहर में छात्रों के एकत्र होने के पांच स्थान पर पुलिस बल तैनात किया गया। साथ ही अन्य स्थान पर पुलिस के जवान लगातार निगरानी रखे हुए हैं। सेना भर्ती की तैयारी कर रहे कुछ छात्र पावटा बस स्टैंड के समीप एकत्र हो रहे थे। उनकी संख्या बढ़ती इससे पहले पुलिस ने पांच छात्रों को हिरासत में ले लिया।

इन छात्रों को बस में बैठाकर उदय मंदिर पुलिस थाना ले जाया गया। पांच छात्रों के पुलिस के हत्थे चढ़ते ही आस-पास फैले हुए छात्र एकत्र हो प्रदर्शन करने की हिम्मत ही नहीं जुटा पाए और वे वहां से बिखर गए।

खनन माफिया ने वन विभाग की टीम पर हमला किया

भरतपुर, (निसं) । भरतपुर जिले के कामा थाना इलाके के गांव सुनहरा के पास स्थित पहाड़ियों से अवैध खनन कर रहे खनन माफिया ने वन विभाग की टीम पर जानलेवा हमला कर दिया।

अवैध खनन की शिकायत के बाद वन विभाग की टीम क्षेत्रीय वन अधिकारी पवन यादव के नेतृत्व में मौके पर पहुंची थी। उसी दौरान ट्रैक्टर ट्रॉली में अवैध खनन कर पत्थर ले जा रहे माफियाओं ने वन विभाग की गाड़ी को रोक लिया और पथराव शुरू कर दिया। हालात ऐसे हो गए कि वन विभाग की टीम को वहां से जान बचाकर भागना पड़ा। खनन माफिया द्वारा पथराव की घटना कैमरे में कैद हो गई। क्षेत्रीय वन अधिकारी डीग भरतपुर पवन यादव ने बताया कि सुनहरा गांव के पास स्थित पहाड़ियों में अवैध खनन की सूचना मिली थी। हमारी टीम कार्रवाई करने मौके पर पहुंची थी। जहां उन लोगों ने पथराव कर दिया, वहां से किसी तरह हम गाड़ी में बैठ कर भाग आए।

अग्निपथ सेना भर्ती: शांति भंग में आधा दर्जन गिरफ्तार

सादुलपुर, (निसं)। केन्द्र की मोदी सरकार द्वारा युवाओं के लिए प्रस्तावित अग्निपथ सेना भर्ती योजना को लेकर शनिवार को कस्बे में विरोध प्रदर्शन हुआ। आईजी बीकानेर रेंज बीकानेर द्वारा इस आदोलन में हिंसापूर्वक भाग लेने वालों तथा इस संबन्ध में राजद्रोहात्मक टिप्पणी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही के दिशा निर्देशन जारी किये गये थे। जिस पर चूरू जिला पुलिस अधीक्षक दिगंत आनन्द के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोक बुटोलिया एवं वृताधिकारी वृत राजगढ बृजमोहन असवाल के निकटतम सुपरवीजन में राजगढ थानाधिकारी कृष्ण कुमार बलौदा द्वारा

18 जून के प्रस्तावित विरोधात्मक आदोलन में हिंसापूर्वक भाग लेने वाले एवं राजद्रोहात्मक टिप्पणी करने वाले पंकज कुमार पुत्र धर्मपाल जाति जाट निवासी लाखलाण छोटी थाना राजगढ, सुनिल पुत्र राजवीर निवासी न्यांगल बडी थाना राजगढ, शिव कुमार पुत्र विनोद कुमार निवासी थान मदुई थाना

राजगढ़ थाना पुलिस द्वारा शांतिभंग के आरोप में युवकों को गिरफ्तार किया।

राजगढ, सत्येन्द्र कुमार पुत्र विनोद कुमार निवासी ढंढाल शेरा थाना राजगढ को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार करने के साथ गाँव भगेला निवासी एक आरोपी को निरूद्ध किया।

अनिल कुमार पुत्र अशोक कुमार निवासी जैतपुरा थाना हमीरवास जिला चूरू को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर सदाचार व नेकचलनी के लिए पांबन्द करवाया गया।

गौरतलब है कि गुरुवार व शुक्रवार को सोशल मीडिया पर भडकाऊ पोस्ट लगाए जाने के कारण पुलिस प्रशासन की नींद उड़ी नजर आई। जिस प्रकार की पोस्ट वायरल हुई उसे लेकर पुलिस प्रशासन चिंतित रहा, लेकिन पुलिस प्रशासन पूरी तरह व्यवस्थाओं में जुटा रहा। थानाधिकारी कृष्ण कुमार ने स्थिति स्पष्ट कर दी कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर अपना पक्ष रखने वालों का हम पूरा सहयोग करेंगे मगर यदि किसी ने कानून व्यवस्था की स्थिति के प्रतिकूल कुछ भी कोशिश की तो बख्शा नहीं जाएगा।

हांलाकि सूत्रों की माने तो ट्रेन रोके जाने एवं स्टेशन पर हंगामा करने वाली पोस्ट भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। उसे देखते हुए रेलवे स्टेशन पर भी आरपीएफ पुलिस के अधिकारी, सिपाही तैनात रहे। वहीं हरियाणा क्षेत्र में रेलों को रोके जाने के कारण कुछ रेलगाडियां विलम्ब से आई और यात्री परेशान दिखे मगर स्थिति हमेशा की तरह सामान्य रही।

शिकारियों ने दो मोरों की गोली मारकर हत्या की

चाकसू, (निसं)। शनिवार को उपखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत कादेड़ा के ग्राम त्रिलोकपुरा(खेजडी) में गिरधारी लाल शर्मा के फार्म हाउस के पास मौजूद नाले में शिकारियों ने दो मोरों की हत्या कर दी, ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस और वन विभाग की टीम ने मोरों के शव को पोस्मार्टम के लिए भिजवाकर आरोपियों के विरुद्ध नाम दर्ज मामला दर्ज करते हुए फरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

- **ग्रामीणों ने हमलावरों का पीछा किया, नामजद आरोपी फरार हुए**

मोर की हत्या के बाद पुलिस ने मौका मुआयना किया।

ग्रामीणों के अनुसार इससे पहले कि मृत मोर को लेकर शिकारी फरार हो पाते, उससे पहले ही ग्रामीणों को इसकी भनक लग गई और ग्रामीणों ने शिकारियों को घेर लिया और शोर शराबा मचा दिया हालांकि यहां शिकारी एक मृत मोर को छोड़कर दूसरे मोर लेकर भागने में कामयाब हो गए लेकिन ग्रामीण भागते हुए शिकारियों को पहचानने में कामयाब रहे। उधर सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस व वन विभाग की टीम ने मोर के शव को पोस्मार्टम के लिए भिजवा दिया। थाना इंचार्ज यशवंत सिंह यादव ने बताया कि मामले में पुलिस ने ग्रामीण गोविंद बैरवा एवं गोविंद राम बैरवा पुत्र पांचूराम निवासी त्रिलोकपुरा की शिकायत पर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत सिकंदर एवं महेंद्र बावरिया पुत्र मालीराम के खिलाफ मुक़दमा दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

टोंक शहर में एक जुलाई से हैलमेट अनिवार्य

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी के निर्देशानुसार टोंक शहर में हेलमेट लगाकर वाहन चलाना 1 जुलाई से अनिवार्य होगा, जिसके लिए यातायात पुलिस की टीम ने आमजन को 10 दिन का समय दिया है। जिसके बाद कार्यवाही होगी।

टोंक शहर यातायात पुलिस प्रभारी ओमप्रकाश ने प्रेस वार्ता कर बताया कि यदि कोई भी वाहन चालक बिना हेलमेट वाहन चलाते पाया गया तो उसके खिलाफ चालान की कार्यवाही की जाकर 1 हजार रुपए का जुर्माना किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आमजन हेलमेट को बोझ नही समझे, यह जीवन का सुरक्षा कवच है, वाहन चलाते समय दुर्घटनाघटित होने पर हेलमेट सिर पर होने से वाहन चालक को जीवन के बचाव होता है। इससे पहले आमजन को हेलमेट लगाकर वाहन चलाने के लिए समझाईश की जाएगी और उसके बाद हेलमेट लगाकर वाहन नहीं चलाने पर कार्यवाही की जाएगी।

भरतपुर डिपो से करीब 50 बसों का संचालन रोका

- **17 जून को सात बसों में हुआ था नुकसान, सिर्फ जयपुर रूट की बस चल रही हैं**

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में भी यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। चार दर्जन से अधिक बसों को भरतपुर डिपों में ही रोका गया। 17 जून को भरतपुर डिपो की 7 बसों को चल रहे अग्निपथ के विरोध का सामना करना पड़ा और बसों को काफी नुकसान झेलना पड़ा बसों के शीशे और कई जगह से नुकसान पहुंचा है। इसके चलते रोडवेज डिपों के अधिकारियों ने आगामी दिनों के सामान्य होने तक बसों का संचालन रोक दिया।

रोडवेज बस के संचालन बंद होने से भरतपुर डिपो को तकरीबन रोजाना 8 लाख रूपए का नुकसान हो रहा है। कोटा पटना एक्सप्रेस को भी आज रद्द कर दिया गया है। सिर्फ जयपुर रूट की बसें चल रही हैं। कल मथुरा में भरतपुर डिपो की कई बसों को तोड़ दिया गया जिसके चलते रोडवेज प्रशासन ने यह कदम उठाया। बस स्टेंड और रेलवे स्टेशन पर पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। अलवर, दिल्ली, हरियाणा, अलीगढ़, हरिद्वार सहित कई इलाकों में भरतपुर डिपो और लोहागढ़ डिपो की बसें जाती हैं, लेकिन अग्नि पथ के विरोध को देखते हुए बसों का संचालन रोका गया है।

फिलहाल भरतपुर से जयपुर, बयाना, उच्चौन, नदबई, रूपवास सहित आस-पास के इलाकों में बसों का संचालन किया जा रहा है। आंदोलन उग्र होने के बाद युवा रेल की पटरियों को उखाड़ रहे हैं। पटरियों पर धरना दे रहे हैं जिससे रेल यातायात भी प्रभावित हो रहा है। जिसको देखते हुए कोटा मंडल ने कोटा -पटना एक्सप्रेस को आज के लिए रद्द कर दिया है।

पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष गिरफ्तार, जेल भेजा

धौलपुर, (निसं)। राजकीय महाविद्यालय धौलपुर के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष बी.के कुशवाहा को सोशल मीडिया पर भडकाऊ पोस्ट डालने के आरोप में धौलपुर जिले की मनिया थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे कोर्ट ने जेल भेज दिया है।

मनिया थाना प्रभारी सुमन कुमार चौधरी ने बताया कि केंद्र सरकार की अग्नि पथ योजना को लेकर बीके कुशवाह निवासी रुन्द का पुरा मनिया एवं हाल निवासी टांडा रोड मनिया सोशल मीडिया पर लगातार भड़काऊ पोस्ट डाल रहा था। जिसे समझाने की कोशिश की और ऐसी पोस्ट नहीं डालने के लिए मनाही की। लेकिन वह नहीं माना। पुलिस ने बीके कुशवाहा उर्फ ब्रजकिशोर कुशवाहा को गिरफ्तार कर लिया। जिसे आज शनिवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने जेल भेज दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि कुशवाहा राजकीय महाविद्यालय धौलपुर से छात्रसंघ अध्यक्ष रह चुका है।

2820 मेगावाट क्षमता वाले सूरतगढ़ थर्मल में 24 घंटे में तीन इकाइयां बंद

- **2820 मेगावाट वाले थर्मल से सिर्फ 773 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है।**

श्रीगंगानगर, (निसं)। सूरतगढ़ थर्मल की इकाइयों से बिजली उत्पादन में फिर कमी हो गई है। 250 मेगावाट क्षमता की एक और इकाई से उत्पादन ठप हो गया। 2820 मेगावाट वाले थर्मल से सिर्फ 773 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। थर्मल की 250 मेगावाट की 5 नं. इकाई बंद होने के बाद 9 बजे 6 नं. इकाई से उत्पादन ठप हो गया। सुबह 6:30 बजे 250 मेगावाट की 3 नं. इकाई से बॉयलर एरिया में स्टीम लीकेज होने से बिजली उत्पादन बंद हो गया।

बंद हुई दोनों इकाइयों में तकनीकी सुधार के लिए 2 दिन का शट डाउन लिया गया है। थर्मल के पहले फेज में 250-250 मेगावाट की 6 इकाइयों में से सिर्फ 2 ही इकाइयों से उत्पादन हो रहा है। शाम 4 बजे पहली इकाई से 209 व दूसरी से 164 मेगावाट उत्पादन हो रहा था। यहां 3, 4, 5 व 6 नंबर इकाइयों से विद्युत उत्पादन बंद है। ऐसे में 1500 मेगावाट वाली सब क्रिटिकल प्लांट से मात्र 373 मेगावाट ही उत्पादन हो रहा है, जबकि सुपर क्रिटिकल की 660 मेगावाट की 8 नंबर इकाई से 400 मेगावाट उत्पादन हो रहा है। गत तीन महीनों से बंद है इस प्लांट की 660 मेगावाट की 7 नंबर इकाई थर्मल की 660 मेगावाट की 7 नंबर इकाई 3 माह से अधिक समय से जनरेशन ट्रांसफर में खराबी के चलते बंद है। मतलब 2820 मेगावाट क्षमता वाले सूरतगढ़ थर्मल से शाम के समय मात्र 773 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा था। राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम की 8180 मेगावाट क्षमता की सभी इकाइयों से मात्र 4208 मेगावाट उत्पादन होने से बिजली संकट के हालात बने हुए थे।

एस.पी. बंसल, अतिरिक्त मुख्य अभियंता सब क्रिटिकल, सूरतगढ़ का कहना है कि 250-250 मेगावाट की 5 व 6 नंबर इकाई में तकनीकी खराबी के चलते 2 दिन का शटडाउन लिया गया है, जबकि 250 मेगावाट की 3 नंबर इकाई के बॉयलर एरिया में स्टीम लीकेज के चलते उत्पादन बंद हुआ है। इसे रविवार तक शुरू कर दिया जाएगा।

ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने से तेरह जिलों की प्यास बुझेगी : मीना

बस्सी में महापंचायत के दौरान जमकर बरसे बादल, लबाबब हो गए खेत

बस्सी/जयपुर, (का.सं.)। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना किसान संघर्ष समिति की ओर से शनिवार को बस्सी के अणतपुरा के पाया वाला बालाजी के पास किसान महापंचायत हुई। ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित कराने के मुद्दे पर आयोजित इस किसान महापंचायत में शामिल होने मुख्य अतिथि रामनिवास मीणा जैसे ही पहुंचे, तो जमकर बारिश हुई। बारिश न केवल महापंचायत स्थल तरबतर हो गया, बल्कि आस-पास के खेतों और तालाब-पोखरों में पानी भर गया।

संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष रामनिवास मीना ने कहा कि ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने से क्षेत्र की पेयजल और सिंचाई की समस्या का पूरी तरह समाधान हो सकेगा। इसके लिए उत्तरी-पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों के किसानों को एकजुट होकर आगे आना चाहिए। उन्होंने ईआरसीपी बारे में किसानों को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने यह परियोजना 13 जिलों के नागरिकों को नया जीवन देने के लिए तैयार की थी। इस परियोजना को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करौली जिले के हिण्डौन की सभा में

संघर्ष समिति अध्यक्ष रामनिवास मीना के निर्देशन में महापंचायत सम्पन्न हुई।

- **ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित कराने की मांग को लेकर अणतपुरा में हुई किसान महापंचायत**

राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने की बात कही थी, लेकिन अभी तक केंद्र सरकार ने अपने वादे को पूरा नहीं किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया की ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित कर 13 जिलों के लोगों को प्राण वायु देने का काम करना चाहिए।

महापंचायत को किसान संघर्ष समिति से जुड़े रिटायर्ड आईएएस प्रभु दयाल मीणा ने संबोधित करते हुए कहा कि जमीन में पानी का स्तर लगातार कम होता जा रहा है पानी और सिंचाई के अभाव में जनजीवन प्रभावित होने लगा है। ऐसे में केंद्र सरकार को ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित कर आमजन की तकलीफ दूर करनी चाहिए। महापंचायत को किसान संघर्ष समिति की महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष प्रभावती ने कहा कि अभियान में महिलाओं को भी आगे आकर अपनी बड़ी भूमिका निभानी चाहिए। किसान महापंचायत को पूर्व आईएएस बीपी मीना, उद्योगपति पृथ्वीराज मीणा, पूर्व आरएएस अधिकारी छुट्टन लाल मीणा, विधानसभा चुनाव की पूर्व प्रत्याशी रहीं अवन्ती मीना, अनतपुरा के सरपंच शिवचरण गुर्जर, देवगांव के सरपंच रामजी लाल, निवाई के लोकेंद्र देवरी, जगदीश फौजी चौरबाड़ा, पूर्व आरएएस रामोतार हरडी, वरदी चंद पटेल, लक्ष्मी नारायण पटेल, मुकेश लाल सोरमा, मूलचन्द मीना, गोविन्दा मीना, किसान संघर्ष समिति के करौली जिले से आए प्रदेश महामंत्री भरत सिंह डागुर, प्रदेश संयोजक अमर सिंह नीमरोठ, प्रदेश मीडिया प्रभारी दीनदयाल सारस्वत ने भी संबोधित करते हुए किसानों को ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित कराने के लिए एकजुट होने का आव्हान किया। संचालन रिटायर्ड प्रिंसिपल मूलचंद मीणा ने किया।

किसान महापंचायत में करौली जिले के गुर्जर पटेल भी काफी संख्या में शामिल हुए। गुर्जर पटेलों ने कहा कि सरकार से वे अभी फिलहाल ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने के लिए निवेदन कर रहे हैं। जरूरत पडने पर वे किसी बड़े आंदोलन से भी पीछे नहीं हटेंगे। करौली जिले के कैमरी से आए जगदीश धाम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष लाखन सिंह गुर्जर, कैप्टन शीशराम, सूबेदार सुग्रीव सिंह, जितेंद्र गुर्जर, दांतकापुरा के राजेश गुर्जर, दयाराम गुर्जर, भागमल सिंह, शिवदयाल आदि ने ने कहा कि चंबल के पानी पर उत्तरी- पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों का हक है, जिसे क्षेत्र के किसान हर हाल में लेकर रहेंगे।

करौली शहर में धड़ल्ले से हो रही है शराब की कालाबाज़ारी

करौली (निंसं.) । ज़िला मुख्यालय करौली में नशा और नशे से जुड़ा व्यापार खूब पनप रहा है हाल ही में देखने में आया है की करौली में बढ़ते हुए स्मैक जैसे नशे पर जहाँ पुलिस प्रशासन लगाम लगाने की कोशिश कर रहा है वही दूसरी ओर शराब व्यापारी समय सीमा का उल्लंघन करते हुए चौबीस घंटे शराब बेच रहे हैं। दुकानो से व शराब नियत से अधिक मूल्य में दिन दहाड़े बेची जा रही। जिनमे पुलिस , आबकारी विभाग,सरकार या समय की पाबंदी का कोई भय नही नज़र आता जो की पूर्ण रूप ज़िला पुलिस प्रशासन एवं ज़िला पुलिस कप्तान की कार्यशैली पर सवाल खडा करता है।

जिला मुख्यालय पर रात्रि के समय सरकार द्वारा प्रदत्त समय के बाद शराब बिकने से सड़कों पर भारी संख्या मे शराबियों व नशेवाजों का आना जाना लगा रहता है जिससे आम आदमी का शहर में आठ बजे के बाद निकलना दुर्लभ हो जाता है। लूट,मारपीट एवं चोरी जैसी घटनायें लगातार बढ़ रही हैं इतना सब कुछ होते देख पुलिस मूकबधिर होकर बैठी है जिससे लगातार अपराध व अपराधियों में बढ़ोतरी हो रही है ।

कवि सम्मेलन में "सोचता हूँ इस जहां का एकसा ईमान हो"... के स्वर गूंजे

भरतपुर (निसं) । अखिल भारतीय साहित्य मंच द्वारा श्री ब्राह्मण धर्मशाला भरतपुर पर अनिल कुमार शर्मा की अध्यक्षता में डॉ. लोकेश शर्मा जी के 61 वें जन्म दिवस पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महावीर सरपंच खौंखर, योगेश लाला थे एवं विशिष्ट अतिथि इंजी.जीवन लाल शर्मा, मुकट तिवारी शर्मा, देवव्रत टिन्ना थे।

कार्यक्रम की शुरूआत सभी अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित कर की गई। कार्यक्रम के जिला संयोजक जसवंत दारापुरिया थे, जिन्होने सभी अतिथियों का स्वागत फूलों का हार पहनाकर किया।

माँ सरस्वती वंदना बहिन सुशील शर्मा ने की। कवि डॉ. लोकेश शर्मा ने "सोचता हूँ इस जहाँ का एकसा ईमान हो, प्यार ही मजहब हो सभी का प्यार पहचान हो", श्याम सिंह जघीना "तेरे मुंह पे करेंगे बात मीठी-मीठी सी, ऐसे हर शख्स से रहना बड़े होशियार यहाँ", डॉ. कृष्ण कन्हैया शर्मा राम से बड़ा कोई संकल्प नहीं धाम में, रामजी छुपे हैं खुद रामजी के नाम में , चन्द्रभान फौजदार जीवन में हमारे भी एक पहेली बन गई है , नेकराम नेक हिन्दू को राम जरूरी मुस्लिम को रहमान जरूरी ह , सुशील शर्मा जन्मदिन पर आपके सब खूब उपहार दें, आशीश दुआऐं शुभकामनाऐं व प्यार दे , लोकेन्द्र सुमन राष्ट्रीय हित से बढ़कर न कोई दूजा हित स्वीकार करो", कवि जयपाल आदि कवियों ने अपनी-अपनी कविता पढ़ी एवं दर्शकों ने वाह-वाह कर खूब तालियाँ बटोरीं।

इस कार्यक्रम में काफी संख्या में लोग उपस्थित थे। डॉ. कुसुम शर्मा, डॉ. ईशा शर्मा, डॉ. हर्षवर्धन दुबे, डॉ. शेखर षर्मा, डॉ. रेनू शर्मा, मनिका शर्मा, मंथिका शर्मा, संजय शर्मा, विनोद टुनटुन, हरिओम शर्मा, चेतन शर्मा, नरेन्द्र शर्मा, सुरेश, मुकेश शर्मा, लोकेन्द्र सैन, सुरेष छावड़ी, भगवान सिंह आदि लोग उपस्थित थे।

भरतपुर में डॉ. लोकेश शर्मा जी के 61 वें जन्म दिवस पर कवि सम्मेलन का आयोजन किया।

पैर पिसलने से किशोर कुएं में गिरा, मौत

गंगापुर सिटी । सदर थाना क्षेत्र में कुएं में गिरने से एक 15 साल के नाबालिग की मौत हो गई। नाबालिग अपनी रिश्तेदारी में बिदिरख्या गांव आया हुआ था। शुक्रवार देर शाम को वह खेतों की तरफ घूमने गया था, जहां कुएं में गिर गया। काफी देर तक वह घर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन अंधेरे में उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद सुबह परिजनों ने आसपास के खेतों में भी तलाश किया तो एक कुएं में उसका शव तैरता मिला। हेड कॉन्स्टेबल जबर सिंह ने बताया कि सचिन (15) पुत्र रामप्रसाद मोंगिया निवासी कुआं गांव बिचपुरी अपनी रिश्तेदारी में बिदिरख्या गांव आया हुआ था। शुक्रवार शाम सचिन पास के खेत में गया था, जहां कुएं में गिरने से उसकी मौत हो गई। जब सचिन काफी देर तक घर नहीं पहुंचा तो परिजनों ने आसपास उसकी तलाश की, लेकिन उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। सुबह परिजनों ने आसपास के खेतों में युवक को ढूंढा। इस दौरान एक कुएं में उसका शव मिला। 15 साल के बच्चे का शव कुएं में मिलने पर मौके पर लोगों की भीड जमा हो गई।

सार-समाचार

'पौधे धरती का श्रृंगार हैं'

वैर, । भाजपा ओबीसी मोर्चा एवं समृद्ध भारत अभियान के द्वारा शनिवार को मानसून की पहली बरसात की खुशी में औषधि एवं सजावटी पौधों का वितरण शुरू कर पौधा रोपण किया गया । कार्यक्रम के मुख्यातिथि भाजपा प्रदेश मंत्री महेंद्र जाटव रहे,जबकि अध्यक्षता भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष डा पवन धाकड ने की, प्रदेश मंत्री महेंद्र जाटव ने कहा कि पौधे धरती का श्रृंगार हैं, जहां हरियाली है, वहां खुशयाली है,तभी बरसात होगी और धरती के प्रत्येक मानव, जीव-जंतु,पेड़-पौधा आदि को जल मिलेगा,सभी एक-एक पौधा लगाने का संकल्प लेना चाहिये ।

दौड़ते हुए युवक की हादसे में मौत

भरतपुर, (निसं) । भरतपुर के पहाड़ी थाना इलाके में एक आर्मी भर्ती के लिए दौड़ लगा रहे युवक को पीछे से एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिसमें युवक की मौके पर ही मौत हो गई हो गई। युवक की शादी को सिर्फ 38 दिन पहले ही हुई थी। मृतक अपने घर का सबसे छोटा बेटा था। जिसकी मौत के बाद घर में कोहराम मचा हुआ है। देवेंद्र के पिता रामहेती ने बताया की वह गोपालगढ़ कस्बे में रहते हैं और वाहनों में पंचर लगाने का काम करते हैं उनके तीन बेटे हैं जिसमें से दो बड़े बेटे बेलदारी का काम करते हैं। देवेंद्र उम्र 22 साल घर का सबसे छोटा बेटा था जिसकी शादी 10 मई को हुई थी। घर में अभी खुशियों का ही माहौल था। देवेंद्र आर्मी की तैयारी कर रहा था। इसलिए देवेंद्र के पिता सुबह देवेंद्र को 4 बजे उठा देते थे जिसके बाद देवेंद्र दौड़ लगाने के लिए निकल जाता था। हर रोज की तरह आज भी दवेंद्र को उसके पिता ने सुबह 4 बजे उठाया। देवेंद्र अपने साथियों के साथ दौड़ लगाने के लिए निकल गया। लेकिन अचानक बरखेड़ा गांव के पास एक अज्ञात वाहन ने देवेंद्र को पीछे से टक्कर मार दी, टक्कर मारने के बाद वाहन का ड्राइवर गाड़ी को लेकर भाग गया। देवेंद्र के साथियों ने घटना की सूचना तुरंत उसके परिजनों को दी, और उसे तुरंत पहाड़ी के अस्पताल लेकर पहुंचे दूसरी तरफ देवेंद्र के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए लेकिन डॉक्टर्स ने देवेंद्र को मृत घोषित कर दिया। देवेंद्र की मौत के घर में कोहराम मच गया। अभी देवेंद्र की पत्नी शिववती उम्र 22 साल के हाथों से मेहंदी भी नहीं उतरी थी। अभी शिववती की जीवन में खुशियां आईं ही थी लेकिन एक हादसे ने उसकी जिंदगी को बदल दिया। देवेंद्र के घर में सभी का रो-रो कर बुरा हाल है।

खिलाड़ी रवाना

भरतपुर (निसं) । राजस्थान महिला महिला फुटबॉल सिलेक्शन बोर्ड के चेयरमैन और भरतपुर के जिला अध्यक्ष अरविंद पाल सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर फुटबॉल टूर्नामेंट 2022 गुवाहाटी आसाम में होने वाली फुटबॉल टूर्नामेंट 20 जून से 4 जुलाई तक में अंडर-17 वर्ग मै भरतपुर की 6 खिलाड़ियों का चयन हुआ जो दिव्यांशी सोगरवाल ,खुशी चंदेल, दीक्षा कुमारी, किट्टू चौधरी ,गार्गी सिंह चौधरी ,कामिनी का ग्रीन गार्डन मैरिज होम पर स्वागत कर कल रवाना किया।

कार्मिका का टोटा, पंचायत रहती हैं सूनी

वजीरपुर , (नि.सं.)। उपखंड क्षेत्र में ग्राम विकास अधिकारीयों का टोटा होने से एक अधिकारी के पास दो से तीन ग्राम पंचायत का भार होने से एक भी ग्राम पंचायत का कार्य सुचारू रूप से नहीं हो पाता है जिससे लोगों को आवश्यक कागजातों के लिए ग्राम पंचायत के चक्कर लगाने पड़ते हैं । ग्राम विकास अधिकारी नहीं मिलने से लोगों को निराश होकर वापस लौटना पड़ता है ग्राम पंचायत का कार्य भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र पर होने पर भी वहां अन्य विभाग के कर्मचारी नजर नहीं आते हैं ।

रैपिड एक्शन फोर्स ने निकाला फ्लैग मार्च

मेहंदीपुर बालाजी (नि. सं.)। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए निकाला मार्च व्यापारी ने कहा जल्दी हटाया जाएगा । अतिक्रमण मेहंदीपुर बालाजी -आस्था धाम मेहंदीपुर बालाजी कस्बे में शनिवार को रैपिड एक्शन फोर्स ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए शनिवार को फ्लैग मार्च निकाला।

जिसे देख कस्बे में अतिक्रमणकारयो में खलबली मच गई। वहीं कस्बे के ठेला संचालक अपने ठेलो को लेकर मौके से भाग छूटे।

वही स्थानीय पुलिस के साथ भारी संख्या में फोर्स को हथियारों और सुरक्षा उपकरणों से लैस देख कस्बे के दुकानदारों ने स्वत ही अपने अतिक्रमण हटाने लगे। इस दौरान कस्बे वासियों को अग्नीपथ योजना को लेकर पूरे जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने को लेकर निकाली जा रहे फ्लैग मार्च की जानकारी मिली तो उन्होंने राहत की सांस ली।

गौरतलब है कि पिछले 2 दिनों से कस्बे में अतिक्रमण हटाने की चर्चा जोरों से चल रही है। इससे कस्बे में निकाले गये फ्लैग मार्च से लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

एसपी की सफल रणनीति से धौलपुर में बेअसर रहा अग्नि पथ आंदोलन

धौलपुर। केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना के तहत होने वाली भर्तियों का विरोध लगातार जारी है। इसी कड़ी में सोशल मीडिया पर कुछ युवकों द्वारा आज शनिवार को धौलपुर में रेल्वे स्टेशन पर भी विरोध प्रदर्शन करने का मैसेज डाला गया, जो कल शाम से ही वायरल हो रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए धौलपुर एसपी नारायण टोगस ने अल सुबह से ही स्टेशन और उसके आसपास के इलाकों में भारी पुलिस जाब्ता तैनात कर दिया। वही कई सीओ और थाना अधिकारियों को जगह-जगह तैनात कर उपद्रव की आशंका को खत्म करने के लिए निर्देश दे दिए। जिस पर पुलिस ने भी सुबह से ही स्टेशन और उसके आसपास के रेलवे फाटकों पर लगातार मुस्तैदी दिखाई, वही जिस तरह युवाओं द्वारा कॉलेज परिसर में एकजुट होकर विरोध का आ ान किया गया था उसे लेकर कॉलेज परिसर में भारी पुलिस जाब्ता तैनात कर दिया गया लेकिन वहां किसी भी बड़े मूवमेंट को लेकर युवा एकत्रित नहीं हुए। लगातार पुलिस की मुस्तैदी के बाद जहां धौलपुर शहर में चिन्हित जगहो पर युवा नहीं पहुंचे। लेकिन युवा कुछ टुकडो में अलग-अलग जगह इकट्ठा होने शुरू हो गए। जैसे ही इसकी जानकारी पुलिस के अधिकारियों को लगी तो पुलिस ने अलग टीम बनाकर ऐसी जगहों पर टीम भेजी। पुलिस को देखकर युवा भागने लगे। जिनमें से कुछ युवाओं को पुलिस की टीम द्वारा हिरासत में ले लिया गया। वहीं इकट्ठे हो रहे युवाओं को पुलिस ने खदेड़ दिया। लगातार पुलिस की मुस्तैदी के चलते युवाओं का जो एकजुट होने का कार्यक्रम था वह सफल नहीं ही सका। वहीं चप्पे-चप्पे पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। हर आने जाने वाले युवाओं को विशेष कारणों से ही स्टेशन पर जाने दिया गया। वही संदिग्ध युवकों से पुलिस ने लगातार पूछताछ की। वही पूरे मामले को लेकर एसपी नारायण टोगस भी लगातार मॉनिटरिंग करते रहे ।

योग दिवस मनाने की तैयारी

सूरौठ (नि.सं.)। ग्राम विकास अधिकारी कप्तान सिंह चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि कस्बे के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को योग दिवस मनाने हेतु तहसील स्तरीय मीटिंग का आयोजन किया गया ।

जिसमें मिटिंग की अध्यक्षता सूरौठ तहसीलदार गजानन्द मीणा के द्वारा की गई एवं 21 जून को योग अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को मनाने पर चर्चाएं हुई एवं तैयारियां हेतु कमेटी का गठन किया गया ग्राम पंचायत सरपंच पिंकेश शर्मा ने कहा कि आगामी 21 जून को योग दिवस मनाने के लिए टेंट ,लाइट, बिजली पीने का पानी सहित सभी व्यवस्थाएं ग्राम पंचायत द्वारा उपलब्ध कराई जाएंगी । मीटिंग में राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ अभिराज मीणा, स्थानीय विद्यालय प्रधानाचार्य गोविंद सहाय शर्मा, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रधानाचार्य धर्म सिंह मीणा, पटवारी हरमेंद्र जाटव, कृषि पर्यवेक्षक गुमान सिंह जाट स्थानीय विद्यालय योग शिक्षक एवं शारीरिक शिक्षक वीरेंद्र सिंह राजावत द्वारा समस्त कर्मचारियों आमजन को योग दिवस पर योग के गुर सिखाए ।

दिन भर छाई काली घटाए, शाम को बरसे बदरा

करौली जिला मुख्यालय पर शनिवार को दोपहर छाई काली घटाओं से रात्रि का सा नजारा देखने को मिला।

करौली (निंसं.)। करौली जिले में प्री मानसून के दस्तक देने से किसानों के चेहरे खिल उठे वही खरीफ की फसल बुवाई के लिए किसान जुट गये।

करौली जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्र सपोटरा, मण्डरायल, करनपुर, हिण्डौन, टोडाभीम, नादौती में शनिवार को प्री मानसून की दस्तक आने से जगह-जगह कहीं तेज तो कहीं हल्की बरसात का दिन भर सिलसिला जारी रहा। जिससे किसानों के चेहरे खिल उठे वही आमजन को गर्मी से राहत मिली। क्षेत्र में बरसात होने से किसान खरीफ की फसल बुवाई के लिए खाद बीज खरीदने के लिए बाजारों में दौड़ पड़े शनिवार को बाजारों में खाद की दुकानों पर किसानों की भीड़ लगी रही उधर खेतों में लाल,पीले,हरे ट्रैक्टर फसल बुवाई करते देखे गए और मौसम बड़ा खुशनुमा बन गया जिससे आमजन के चेहरे पर खुशी की लहर देखी जा रही है। शनिवार को जिला मुख्यालय पर दोपहर तक उमस और तेज गर्मी रही वही 3 बजे घनघोर काली घटाए छा गई और ठण्डी हवाए चलने लगी साय: 7 बजे बारिश का दौर शुरू हो गया।

भरतपुर में बढ़ रहे अपराधों से व्यापारी चिंचित

भरतपुर (निसं) । भरतपुर जिला व्यापार महासंघ की एक मीटिंग जिला महामंत्री नरेंद्र गोयल की अध्यक्षता में बुलाई गई, मीटिंग विभिन्न मुद्दों को लेकर चर्चा की गई ।

ज़िला प्रवक्ता विपुल शर्मा ने बताया जिले में बढ़ रहे अपराधों से व्यापारी वर्ग त्रस्त हैं, आए दिन व्यापारियों के साथ लूटपाट, धोखाधडी, चोरी की घटनाएं हो रही हैं, व्यापारी पहली से ही मंदी की मार झेल रहा है, ऊपर से इस तरह की अपराधिक घटनाएं उसकी कमर तोड़ देती हैं, इस मीटिंग में उपस्थित सभी व्यापारियों ने गहरी चिन्ता जाहिर करते हुए एसपी भरतपुर को ज्ञापन देने का निर्णय लिया । दंगों के कारण जिन व्यापारीयों की कई कई दिन दुकानें बंद रहती हैं, दंगाइयों द्वारा आगजनी, इत्यादि घटनाओं के कारण जो नुकसान होता है, उसकी भरपाई सरकार द्वारा की जानी चाहिए, क्यों की इन दंगों में व्यापारियों का कोई हाथ नहीं होता है । मीटिंग में बांट एवं माप तौल विभाग के कर्मचारियों द्वारा पैसे ले लिऐ जाते हैं और रसीद नहीं दी जाती हैं की शिकायत पर ज़िला महामंत्री नरेंद्र गोयल द्वारा तुरन्त ही सम्बन्धित अधिकारियो से बात कर समस्या का निदान किया । भरतपुर ज़िला व्यापार महासंघ की वर्तमान कार्यकारणी का कार्यकाल जुलाई महा में पूर्ण हो रहा है, उसके पुनर्गठन की तैयारी के लिए एक कमेटी का गठन किया गया जिसका संयोजन भगवान दास बंसल को बनाया गया, बंसल ने सभी संगठनों के अध्यक्ष/मंत्री से अपील करते हुए कहा कि जून महा में सभी संघटन ज़िला व्यापार महासंघ मे अपनी मेम्बर शिप का रिनुअल करा ले । मीटिंग का संचालन अनिल लोहिया ने किया, मीटिंग में मोहनलाल मित्तल, जयप्रकाश बजाज, तेजवीर सिंह, गोपी सिंह के साथ साथ काफी संख्या में व्यापारी मौजूद थे।

शिक्षक संघ ने योग दिवस पर की छूट की मांग

करौली (निंसं.) राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम) के प्रदेश महामंत्री रामदयाल मीणा ने मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री को पत्र लिखकर उपस्थिति अनिवार्य को खत्म करने की मांग 21जून को योग दिवस पर अपने विद्यालय में उपस्थित होने का जो आदेश निकाला है उसका शिक्षक संघ सियाराम ने विरोध किया है और संगठन मांग करता है कि 21 जून को अपने नजदीक किसी अन्य संस्था में उपस्थित होने की अनुमति देने की मांग की है क्योंकि ग्रीष्मकालीन अवकाश 24 जून तक है। और कई सेवारत शिक्षक अपने घर गृह जिले में है और वह 1 दिन के लिए 21 जून को आएंगे और वापस जाएंगे क्योंकि विद्यालय 24 जून से खुलेगे, राजस्थान शिक्षक संघ (सियाराम)ऐसे आदेशों की निंदा करता है क्योंकि शिक्षकों के हित में यह आदेश नहीं है कई महिला शिक्षिका अपने होम जिले में है और अपने छोटे बच्चों को छोड़कर जाएगी।

नदबई में बरसात के पानी से खाद्यान्न खराब

नदबई (निसं) । जिले में हुई राहत की बारिश से जहां किसानों के चेहरे खिल उठे वहीं शहर वासियों ने गर्मी की तपिश से राहत की सांस ली परंतु नदबई कृषि उपज मंडी समिति परिसर में बारिश किसानों के लिए आर्थिक रूप से विनाशकारी साबित हुई।

किसानों द्वारा अपनी जिंसों को बेचान के लिए नदबई मंडी लाया गया खाद्यान्न बारिश के पानी के साथ बह गया। इस बाबत जब मंडी सचिव कैलाश मीणा से बात की तो उन्होंने बताया मेरे पास दो स्थानों का चार्ज है कहां-कहां पर कार्य करू। दरअसल नदबई कृषि उपज मंडी परिसर काफी बड़े क्षेत्रफल में फैला हुआ है। जिसमें सरकार की ओर से बड़े-बड़े टीन सेड लगाए हुए हैं। जिससे स्थानीय किसान अपनी फसल मंडी में बेचने आए तो टीन शेड के फड़ पर रखकर आराम से बेच सकें और बारिश इत्यादि से बचाव भी हो सके? परंतु विडंबना है कि उक्त टीन शेड में मंडी के व्यापारियों ने कब्जा कर अपने खाद्यान्न का स्टॉक जमा कर रखा है। जबकि व्यापारियों को चाहिए कि वह खरीदे गए खाद्यान्न स्टॉक को अपने गोदाम में रखें। परंतु मंडी सचिव कैलाश मीणा की मिली भगत से यह सब संभव हो पा रहा है। मानसून पूर्व जिला प्रशासन अलर्ट मोड़ पर है। जिला कलेक्टर आलोक रंजन ने गत दिनों पूरे शहर की व्यवस्था का जायजा लिया था। परंतु मंडी सचिव कलेक्टर से भी ऊपर हैं, क्योंकि उन्होंने मंडी परिसर के नालों की सफाई व्यवस्था की ओर कोई ध्यान नहीं दिया। स्थानीय लोग कहते हैं कि सफाई व्यवस्था सहित अन्य ठेकों में इनकी मिलीभगत है। व्यापार संघ के अध्यक्ष शिवदयाल गोयल ने भी मंडी सचिव पर कृषि उपज मंडी की उपेक्षा के आरोप लगाए हैं। नदबई में हुई मानसून बारिश से कई किसानों के खाद्यान्न पानी के साथ बहने से काफी हानि हुई है।

जंगली घास हटाने के लिए श्रमदान किया

कुम्हेर (निसं) । कृषि महाविद्यालय कुम्हेर पर 18 जून को एन.एस.एस. एवं एन.एस.ओ. वालण्टियर्स ने एन.एस.ओ. प्रभारी डॉ देवेन्द्र कुमार मीना व एन.एस.एस. प्रभारी डॉ.रामनिवास शर्मा के नेतृत्व में कॉलेज परिसर एवं सडकों से गाजर घास (जंगली घास) उन्मूलन के लिए श्रमदान किया।

श्रमदान के बाद आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय के डीन डॉ.उदयभान सिंह ने कहा कि सामाजिक कार्य परोपकारी तथा प्रजातांत्रिक आदर्शो से विकसित होते हैं। हमें प्रतिदिन के संकट एवं आपात स्थिति से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। एन.एस.एस. एवं

एन.एस.ओ. वालण्टियर्स तेल की तरह होते हैं जो समाज के इंजन को सुचारु रुप से चलाते हैं। हमें गरीब,असहाय एवं वृद्धजनों की सेवा में हमेषा तत्पर रहना चाहिए।

'3 लाख 71 हजार से अधिक नौनिहाल को पिलाई जाएगी पोलियो दवा '

भरतपुर (निसं) । 19 जून रविवार को पल्स पोलियो अभियान की शुरूआत की जाएगी। इस टीकाकरण महाअभियान में जिले में 03 लाख 71 हजार से अधिक नौनिहालों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। इसमें नवजात से लेकर 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुनील शर्मा ने बताया कि उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम का समय प्रात: 9 से सायं 5 बजे तक रहेगा। पल्स पोलियो अभियान के पहले दिन 19 जून रविवार को जिले में स्थापित किये गये 2414 बूथों पर बच्चों को खुराक पिलाई जायेगी। इसके बाद अगले दो दिन ग्रामीण क्षेत्र मे और शहरी क्षेत्र में विभाग की ओर से गठित मोबाइल टीमें घर-घर जाकर खुराक से वचिंत नौनिहालों को पोलियो की खुराक पिलायेगी। जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमर सिंह सैनी ने बताया कि पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान को लेकर जिले में 2414 बूथ बनाए गए हैं। अभियान में 364 सुपरवाइजर, 167 जोनल अधिकारी, 48 मोबाइल टीम एवं 74 ट्रांजिट टीम अपनी सेवाएं देंगे। प्रत्येक सैक्टर पर आईएलआर, डीपफ्रीजर, कोल्ड बॉक्स, वैक्सिन कैरियर तथा आइस पैक्स आदि पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करवा दी गई है। रविवार से आयोजित होने वाले पल्स पोलियो अभियान के सफल संचालन हेतु शनिवार को जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अमर सिंह ने जीएनएम प्रषिक्षण केन्द्र की प्रषिक्षणार्थीयो का आमुखीकरण किया। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को पोलियो की दवा दिलाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए एवं किस प्रकार दवा पिलानी है, कितनी मात्रा में पिलानी है, किस प्रकार मार्किंग करनी है आदि के बारे में विस्तार पूर्वक बताया।

दुकान से लाखों रुपए का माल चोरी

भरतपुर, (निसं)। कोतवाली क्षेत्र में नई मंडी के पास स्थित एक नल फिटिंग की दुकान में चोरी की वारदात हुई। बदमाशों ने पहले दुकान के सामने ही शराब पार्टी की और फिर दुकान से लाखों रुपए का माल व नकदी लेकर फरार हो गए। अब कोतवाली थाना पुलिस बदमाशों का सुराग लगाने में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार नई मंडी के पास वेदांता हॉस्पिटल के सामने एनके ट्रेडर्स की नल फिटिंग के सामान की दुकान संचालित है। शुक्रवार दोपहर करीब तीन बजे दुकान मालिक अमित गुप्ता पुत्र नरेंद्र कुमार गुप्ता निवासी रणजीत नगर किसी काम से दुकान बंद कर घर गया था। शनिवार दोपहर करीब एक बजे जब अमित गुप्ता दुकान खोलने पहुंचा तो शटर दोनों ओर से उठी हुई थी। चोरी का पता चलते ही कोतवाली थाना पुलिस को सूचना दी गई। थाने से पहुंची पुलिस व दुकानदार ने शटर ऊपर कर अंदर जाकर देखा तो वहां एक एलईडी, पीतल की नल की टोंटी, सात मिक्चर प्लांट, पांच हजार रुपए नकद गायब मिले। यह सामान करीब एक लाख रुपए का बताया जा रहा है। इसके अलावा दुकान के बाहर शराब की बोतल व गिलास भी साइड में पड़े मिले हैं। संभावना जताई जा रही है कि चोरों ने चोरी करने से पहले शराब पार्टी की है। इसके बाद चोरी की घटना को अंजाम दिया है।

'विधर्मी लोग इक्कठा होकर देश को बर्बाद करने में लगे हुये हैं'

भरतपुर (निसं) । मंथन परिवार द्वारा नए भारत की नई चुनौतिया के विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन यू आई टी ऑटोडोरियम में संस्था अध्यक्ष सत्येन्द्र गोयल एडवोकेट एवं संयोजक देवेन्द्र चामड की अध्यक्षता में किया गया। नए भारत की नई चुनौतिया विषय के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय चिंतक एवं प्रखर पत्रकार पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ थे ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रंजीता कोली, सांसद - भरतपुर, विशिष्ट अतिथि रोहित महाराज रहे। मंथन के अध्यक्ष - सत्येन्द्र गोयल, सरंक्षक - डॉ. अशोक सिंह, बृजेश अग्रवाल एवं संयोजक देवेन्द्र चामड थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ भारत माता के चित्र पर माल्यापर्ण कर दीप प्रज्वल्लन कर किया गया। शुरूआत में आदर्श विद्या मंदिर की बालिकाओं ने वन्दे मातरम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ व सांसद रंजीता कोली का माला पहनाकर व प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया गया

कार्यक्रम संयोजक दृ देवेन्द्र चामड ने नए भारत की नई चुनौतिया के विषय की जानकारी देते हुये बताया कि यह भरतपुर वासियों के लिये सौभाग्य की बात है, कार्यक्रम में स्वागत अध्यक्ष कृष्ण कुमार अग्रवाल ने देश में बढ़ रहे आतंकवाद पर चिंता व्यक्ति की अध्यक्ष सतेन्द्र गोयल ने मुख्य वक्ता पुष्पेन्द्र के जीवन परिचय के बारे में बताया कि अलीगढ मुस्लिम यूनिवर्सिर्टी से शिक्षा प्राप्त की। वह 10 साल प्रेस कौन्सिल आफ इडियन के इलेक्ड्डि महासचिव रहे, सभा को सम्बोधित करते हुये मुख्य वक्ता पुष्पेन्द्र कुलश्रेष्ठ ने कहा कि किस प्रकार विधर्मी लोग इक्कठा होकर देश को बर्बाद करने में लगे हुये हैं । जिस प्रकार भगवान राम न शस्त्र और अस्त्र से जीवन में अनेक आताताईयों को परास्त किया । समय आ गया है हमें समय आने पर भगवान राम की जगह मर्यादा पुरुषोत्तम बनने का उदाहरण पेश करना हैं। कुछ दिनों पहले जिस प्रकार एक समाज द्वारा खुले आम जो तांडव हुआ, उसकी पुनरावृत्ति न हो इसके लिए हिन्दु समाज को जागरूक बनाना होगा सहनशीलता की जगह जबावदेही तय करनी होगी भगवान परशुराम का उदाहरण देते हुऐ कहा कि किस तरह उन्होने फरसे का प्रयोग विधर्मी लोगों का नाश किया है।

सड़क किनारे मिले युवक के शव की पहचान

हिण्डौन सिटी,(का.सं.)। शहर के बयाना रोड़ पर सड़क किनारे मिले शव की पहचान 48 साल के पीपलहेडा निवासी देवेंद्र चौधरी के रूप में हुई। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम करराया और शव परिजनों को सौंपा दिया । इधर मामले में पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है ।

गौरतलब है पुलिस ने शव को पहचान के लिए मोर्चरी में रखवाया था। जिसके बाद पहचान होने पर पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सुपुर्द किया गया। बेटे की ओर मामले में मृग दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। छुट्टी लेकर गांव आए थे देवेंद्र चौधरी कोतवाली थाने के उपनिरीक्षक कैलाश चंद ने बताया की पीपलखेड़ा निवासी हर्ष चौधरी ने शव की अपने पिता देवेंद्र उर्फ पिंटू चौधरी के रूप में पहचान की। रिपोर्ट में बताया कि उसके पिता देवेंद्र उर्फ पिंटू चौधरी पुत्र दिलीप सिंह मेडिकल विभाग जालौर में लिपिक के पद पर कार्यरत है। चार-पांच दिन पूर्व छुट्टी लेकर गांव आए थे। पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सुपुर्द शुक्रवार को कृष्णा कॉलोनी स्थित मकान की देखभाल करने हिंडौन आए थे।

अब कोई चुनाव जीतकर आएगा तो उसे पार्टी से हिलने नहीं देंगे: आकाश आनंद

करौली (निंसं.)। करौली जिला मुख्यालय पर बहुजन समाज पार्टी के तत्वाधान में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय कोर्डिनेटर आकाश आनंद ने कहा कि अब तक लोग विधानसभा का चुनाव जीतकर दूसरी पार्टियों में चले जाते थे लेकिन अब कोई भी व्यक्ति जीतकर आएगा तो उसे पार्टी से हिलने नहीं दिया जाएगा ।

करौली कलेक्ट्रेट सर्किल स्थित जैन नसिया में बसपा का जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित हुआ हालांकि जिले में धारा 144 लागू है उसके बावजूद जिला प्रशासन ने कार्यक्रम की अनुमति दे दी इस अवसर पर विशाल टेंट और सैकड़ों की संख्या में कुर्सियां लगाई गई। लेकिन भीड़ नहीं जुट पाई और कुर्सिया खाली पडी रही जिसके चलते आयोजकों के चेहरे पर चिंता की लकीरें साफ देखने को मिली। कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आए राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर सहित प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष भीड़ आने का सर्किट हाउस में बैठ कर इंतजार करते रहे दोपहर 2बजे बाद करीब 200 महिला पुरुषों की भीड़ के बीच वह सर्किट हाउस से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे जहां। बसपा जिला कार्यकारिणी और विधानसभा प्रभारियों ने उनका 21 किलो फूलों की माला पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद ने कार्यकर्ताओं की नब्ज टटोली और संगठन सेक्टर स्तर के प्रत्येक कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए संगठन की गतिविधियो की जानकारी लेते हुए समस्याएं जानी। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा कि हमें वरिष्ठ पदाधिकारी सम्मान नहीं देते हैं और जो लोग पार्टी में सक्रिय रूप से कार्य करते हैं उन्हें पंचायत और विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं देकर अन्य लोगों को टिकट दे दिया जाता है जो चुनाव जीतकर दूसरी पार्टियों में शामिल हो जाते हैं। इसके अलावा कार्यकर्ताओं ने कई सारी समस्याएं गिनाई जिस पर राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद ने कार्यकर्ताओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि वर्ष 2023 के चुनाव का बिगुल बज चुका है सभी कार्यकर्ता मजबूती के साथ अपनी-अपनी विधानसभा में जुट जाएं और सेक्टर स्तर तक संगठन को मजबूत करें उन्होंने कहा कि पार्टी में कार्यकर्ताओं का पूरा सम्मान होगा सम्मान में कोई कमी नहीं आने नही दी जाएगी। पार्टी के जिला अध्यक्ष जमुना लाल जाटव,पूर्व अध्यक्ष शिव सिंह जाटव,दौलत जाटव,जिला प्रभारी सियाराम मीणा, हरिओम गोगरिया,संतोष ठेकेदार,मनोज सैनी,सुरेश,भगवान सिंह,महेंद्र सिंह, दयाराम जाटव,विशंभर दयाल बैरवा,सुरेश बैरवा, जयलाल,ज्ञान सिंह जादौन,रामजी लाल बैरवा, गंगा सहाय बैरवा, मदनलाल आदि पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ताओं ने अतिथियों का माला साफा पहनाकर बाबा भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा भेंट कर स्वागत सम्मान किया।

करौली में बसपा के कार्यकर्ता सम्मेलन में अतिथियों का माला पहनाकर पार्टी पदाधिकारियों ने भव्य स्वागत किया।

सीवरेज नाले ब्लॉक, पहली ही बरसात में भीलवाड़ा शहर की कई बस्तियां जलमग्न

कई घरों में बारिश का पानी घुस जाने से आमजन को काफी नुकसान भी हुआ है

भीलवाड़ा, (निसं.)। नगर परिषद द्वारा मानसून सीजन से पहले सभी सीवरेज नालों की सफाई और बारिश को लेकर किए गए कार्यों की पोल एक ही दिन की बारिश में खुल गई है। शनिवार को जिला मुख्यालय पर हुई अच्छी बारिश के बाद शहर की कई कॉलोनियों जलमग्न हो गई है इसके साथ ही कई सीवरेज नाले ब्लॉक होने से उनका पानी भी सड़कों पर भर गया है। यह हालात भीलवाडा शहर के कई हिस्सों में देखने को मिल रहे हैं।

इस जलमग्न स्थिति के बाद अब लोगों का आक्रोश भी साफ तौर पर दिख रहा है। कई घरों में बारिश का पानी घुस जाने से आमजन को काफी नुकसान भी हुआ है। भीलवाड़ा शहर के बसंत विहार, विजय सिंह पथिक नगर व बस स्टैंड रोड पर जलभराव की स्थिति भयंकर रूप ले चुकी है। सबसे बड़ी बात यह है कि इन सड़कों पर कई गड्ढे भी खोद कर रखे हैं, जिन्हें भरा नहीं गया है। ऐसे में अब वाहन चालक और पैदल चलने वाले लोग भी इन सड़कों पर चलने से डर रहे हैं और यह हादसे के सबक भी बने हुए हैं।

आपको बता दें कि शनिवार की दोपहर भीलवाड़ा शहर में बारिश का दौर शुरू हुआ। एक ही दिन में हुई इतनी बारिश के चलते शहर के मोहल्लों में करीब 3 से 4 फीट पानी भर गया है और यह लोगों के घरों में घुस गया। मोहल्ले के लोगों का आरोप है कि मोहल्लों में बनाई गई सड़कें बेतरतीब तरीके से बनाई गई है। इसके साथ ही यहां के सीवरेज नालों की सफाई भी सही नहीं हुई है। इस कारण से बारिश में यह स्थिति उत्पन्न हो गई है।

इसके अलावा भीलवाड़ा शहर के कई हिस्सों से रेलवे पटरी के अंडर ब्रिज भी निकल रहे हैं। इन अंडर ब्रिज में भी पानी भर जाने से लोगों को उन्हें पार करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। शहर की छिपा बिल्डिंग, वीर सावरकर चौक, पुर रोड, कॉलेज मार्ग सहित कई इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया है वही सीवरेज के कार्य के चलते गंगापुर चौराहे पर एक तरफा मार्ग होने से यातायात प्रभावित हुआ है, आजाद चौक इलाके में कई दुकानों में पानी घुस गया दुकानदारों का आरोप है कि नगर परिषद की सफाई व्यवस्था ठीक नहीं होने से पानी की निकासी नहीं हो पा रही है ऐसे में दुकानदारों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। नेहरू रोड पर तेज अंधड़ के साथ उड़े टीन टप्पर के कारण एक कार के शीशे भी टूट गए जबकि सब्जी मंडी में एक पेड़ धराशाई हो गया तेज हवाओं के चलते कई दिन तक पर और बोर्डिंग भी उड़ गए।

उधर गांधीनगर स्थित बसंत विहार कॉलोनी में बरसाती नाले को बंद कर देने से कई मकानों में पानी भर गया है और लोग मकानों में कैद होकर रह गए हैं यहां रहने वाले व्यक्ति ने बताया कि उनके मकान के बाहर 5 फीट तक पानी भरा हुआ है इससे घर के बाहर नहीं निकला जा सकतासड़क पर खड़े कुछ वाहनों के भी डूबने की खबर है। पानी भरने की सूचना पर आयुक्त दुर्गा कुमारी और सभापति राकेश पाठक भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

भीलवाड़ा में बरसात के दौरान टीप टप्पर गिर गए।

राजकीय सम्मान के साथ सैनिक राठौड़ का अंतिम संस्कार

अंतिम दर्शन करने के लिए भीड़ उमड़ी

शहीद को विधायक बुडानिया सहित कई नेताओं ने पुष्पचक्र भेंट किए।

तारानगर, (निसं)। तारानगर तहसील के गांव तोगावास में भारतीय सेना के जाबाज सिपाही शहीद कुम्भकर्ण सिंह राठौड़ का पार्थिव शरीर शनिवार सुबह करीब 11 बजे उनके गांव पहुंचा। शहीद का शव जैसे उसके घर लाया गया। वहां मौजूद हर एक की आंख नम हो गयी।

गांव के लाडले को खोने का दर्द साफ झलक रहा था। शव के अंतिम दर्शन के लिए लोगों की उमड़ पड़ी। जब तक सूरज चांद रहेगा कुंभकर्ण सिंह तेरा नाम रहेगा...के नारे तथा भारत मां के जयकारों से इलाका गूंज उठा। इसके बाद सेना के जवानों की मौजूदगी में पार्थिव शरीर बक्से के साथ मुक्तिधाम लाया गया। जहां सेना के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। शहीद की पार्थिव देह को उनके भतीजे विजेन्द्र सिंह ने मुखाग्नि दी। गांव के लोगों ने बताया कि तोगावास निवासी गुलाब सिंह राठौड़ के पुत्र कुंभकर्ण सिंह उम्र 28 साल भारतीय सेना में 27वीं राजपूत रेजिमेंट के जवान थे। गुरुवार को शाहजहांपुर (उत्तर प्रदेश) में ड्यूटी के दौरान कुंभकरण सिंह शहीद हो गये।

वर्ष 2013 में सेना में राठौड़ भर्ती हुआ था। वे लांस नायक के पद पर कार्यरत थे। पांच साल पहले उसकी शादी हुई थी। उनके चार साल की बेटी और दस माह बेटा है। इधर जवान को पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने पत्र के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की। अंतिम यात्रा में तारानगर विधायक नरेंद्र बुडानिया, उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़, तारानगर पंचायत समिति संजय कस्वां, एसडीएम प्रभजोत गिल, डीएसपी ओमप्रकाश गोदारा, राकेश जांगिड़, निर्मल प्रजापत, वीर बहादुरसिंह राठौड़ सहित हजारों लोग मौजूद थे।

पर्यटकों के लिए चम्बल रिवर फ्रंट नायाब तोहफा होगा: धारीवाल

कोटा, (निसं)। स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल ने चम्बल रिवर फ्रंट सहित शहर में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण कर शेष कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा कराने के निर्देश दिये। उन्होंने चम्बल में बोट में बैठकर रिवर फ्रंट के प्रत्येक घाट का बारिकी से अवलोकन कर फसाड़ कार्य को गति प्रदान करने के निर्देश दिये। स्वायत्त शासन मंत्री ने चम्बल रिवर फ्रंट से निरीक्षण कार्य की शुरूआत करते हुए सभी घाटों के आधारभूत निर्माण कार्यों की अधिकारियों से जानकारी ली।

- **स्वायत्त शासन मंत्री ने चम्बल नदी में बोट में बैठकर रिवर फ्रंट के दोनों किनारों के प्रगतिरत कार्य का निरीक्षण किया**

उन्होंने कहा कि वर्षा के समय चम्बल में पानी की आवक से पहले घाटों की सिढ़ियों एवं नदी के पास वाले कार्यों को गुणवत्ता से पूरा कराया जावें। उन्होंने प्रत्येक घाट के मूल स्ट्रेक्चर के कार्य पूरा होने के साथ ही फसाड़ एवं सौन्दर्यकरण कार्य को भी हाथ में लेकर निरन्तर मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिये। उन्होंने बैराज गार्डन, चम्बल माता की मूर्ति से लेकर सिंह घाट तक हो चुके निर्माण कार्य का निरीक्षण कर शेष कार्य को निर्धारित समय में पूरा कराने के लिए संशाधन बढ़ाने के निर्देश दिये।

स्वायत्त शासन मंत्री ने चम्बल नदी में बोट में बैठकर रिवर फ्रंट के दोनों किनारों के प्रगतिरत कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने फ्रंट के प्रवेश द्वार, मन्दिर घाट, जवाहर घाट, सिंह घाट, संस्कृति घाट सहित सभी घाटों के निर्माण कार्य के लिए बनाये गये स्ट्रेक्चर के पूर्ण हो चुके कार्य का निरीक्षण कर फसाड़ कार्य के लिए निर्धारित समय तक कार्य पूरा कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जहां भी मूल स्ट्रेक्चर कार्य पूरा किया जा चुका है वहां फसाड़ एवं सौन्दर्यकरण कार्य को गति प्रदान की जावे। उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से मॉनिटरिंग करते हुए कार्य की गुणवत्ता के साथ पूरा कराया जावे।

स्वायत्त शासन मंत्री ने कहा कि देश-दुनियां के पर्यटकों के लिए चम्बल रिवर फ्रंट नायाब तोहफा होगा इसकी निर्माण शैली एवं डिजाइन अतुलनीय है इससे देशने दुनियाभर के पर्यटक आकर्षित होंगे जिससे कोटा में रोजगार के नये अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि रिवर फ्रंट बनने के बाद चम्बल नदी शुद्ध होगी तथा बाढ़ से होने वाले नुकसान को भी रोका जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इसमें आधुनिकता एवं पुरातन संस्कृति जो संगम किया गया वह किसी भी रिवर फ्रंट में देखने को नहीं मिलेगा।

स्वायत्त शासन मंत्री ने घोड़े वाला सर्किल, एरोड्रम सर्किल एवं किशोर सागर की पाल पर निर्माणाधीन जालिमसिंह की हवेली के कार्य का भी निरीक्षण किया तथा शेष कार्य गति के साथ कराने के निर्देश दिये। उन्होंने जालिमसिंह की हवेली के नक्कासी एवं फसाड़ कार्य को सितम्बर माह तक पूरा कराने का लक्ष्य देते हुए निरन्तर कार्य को गति देने क बात कही। इस दौरान नगर विकास न्यास के विशेषाधिकारी आरडी मीना, सचिव राजेश जोशी, अति. मुख्य अभियंता ओपी वर्मा सहित सबन्धित अभियंता उपस्थित रहे।

स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल ने चम्बल रिवर फ्रंट के कार्यों का निरीक्षण कर निर्देश दिए।

युवक ने पेड़ पर फंदा लगाया

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले के चूनावढ़ थाना क्षेत्र के 13 एलएनपी रोही ठाकरांवाली में शुक्रवार को एक दिहाड़ी मजदूर सुनसान जगह पर पेड़ से बने फंदे पर लटकता मिला। एक राहगीर ने पेड़ पर शव देखा तो उसने इसकी सूचना आसपास के लोगों को दी। इस पर लोग मौके पर पहुंचे और युवक की पहचान की। दिहाड़ी मजदूर पास ही इलाके का रहने वाला होने के कारण लोगों ने उसी समय उसके परिजनों को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने मजदूर की पहचान कर ली।

परिजनों ने रिपोर्ट में बताया कि उसका बेटा रमेश कुमार गांव में उसके घर के ही एक हिस्से में पत्नी के साथ रहता है। दो-तीन दिन पहले उसकी पत्नी पीहर चली गई थी। तब से वह अकेला ही था। इस दौरान दो दिन पहले वह घर से गायब हो गया। उसकी तलाश की जा रही थी। इसी बीच गांव तेरह एलएनपी रोही में वह पेड़ पर लटका मिला।

आमजन भ्रामक खबरों व अफवाहों से बचें: शर्मा

राजसमंद, (निसं)। कुम्भलगढ़ डीवाईएसपी ने अग्निपथ सेना भर्ती को लेकर चल रही भ्रामक अफवाहों से आमजन को दूर रहने की अपील की है। जिसके चलते देश, राज्य अपने गांव, शहर में अशांति का माहौल न बनें। आमजन इन जैसी किसी भी तरह की बातों में ना आकर शांति सौहार्द बनाए रखें तथा किसी भी अफवाहों से बचने के साथ ही इन भ्रामक खबरों, अफवाहों के खिलाफ आप नजदीकी थाने में, थाने के एसएचओ, एरिया सीओ, कंट्रोल रूम एयातायात प्रभारी तथा पुलिस, वभाग से संबंधित अधिकारियों को तुरंत सूचित करते हुए। अपने गांव शहर आदि में शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस की सहायता एवं सहयोग करें।

जिला मुख्यालय पर निकाला फ्लेग मार्च :- सेना में भर्ती अग्निपथ योजना को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शन तथा भ्रामक खबरों एवं अफवाहों के चलते आगजनी, तोडफोड जैसी अन्य तरह की देश विरोधी गतिविधियों की रोकथाम एवं शांति व्यवस्था बनाए रखे जाने को लेकर शनिवार शाम को राजनगर थाना क्षेत्र से पुलिस प्रशासन की ओर से फ्लैग मार्च निकाला गया। जिसमें डीसपी बेनीप्रसाद मीणा, राजनगर थानाधिकारी डॉ. हनवंतसिंह चौहान, लक्ष्मणराम विश्नोई सहि पुलिस जवान सदे कदमों के साथ शांति व्यवस्था का संदेश दिया। फ्लैग मार्च राजनगर थाना क्षेत्र के फव्वारा चौक से प्रारंभ होकर, सदर बाजार, दाणी चबूतरा, कलाल वाटी, किशोर नगर, पुरानी कलेक्ट्रेक्ट, पीर बावजी, जलचक्की तिराहा, पुराना बस स्टेण्ड, मुख्य चौपाटी आदि मुख्य मार्गों से होता हुआ निकला।

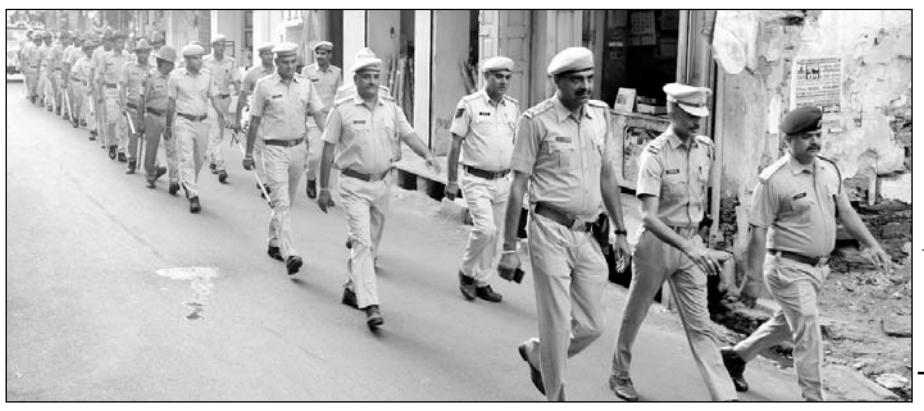
कुम्भलगढ़ में डीवाईएसपी के नेतृत्व में पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला।

4100 भूमिहिनों के लिए प्रधानमंत्री आवास देने की प्रक्रिया शुरू

श्रीगंगानगर, (कासं)। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जिले में भूमिहीन 4100 लाभार्थियों के लिए भूमि तलाशने की कवायद सीईओ मोहम्मद जुनैद ने शुरू करते हुए राजस्व अधिकारियों के साथ अनूपगढ़ पंचायत समिति हाल में बैठक आयोजित की।

बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी जुनैद ने अवगत करवाया कि ग्राम विकास अधिकारी को पटवारी से समन्वय स्थापित कर 20 तारीख को अपनी पंचायत में चौपाल आयोजित कर अधिक से अधिक भूमिहीनों को भूमि उपलब्ध करवाने का प्रयास किया जाये। इसके लिए सरपंच अपनी पंचायत के बुद्धिजीवी वर्ग या भामाशाह से भी सम्पर्क कर ऐसे परिवारों को भूमि दिलाने के लिए आगे लाने का प्रयास करें ताकि जरूरतमंद को आवास मिल सकें। उन्होंने बताया कि जिले में भूमिहीन परिवारों की संख्या 4100 है, जिनमें से 965 भूमिहीन लाभार्थी अकेले अनूपगढ़ क्षेत्र में निवास करते हैं।

- **गंगानगर में भूमिहीनों को प्रधानमंत्री आवास के लिए नरेगा स्थल पर सीईओ मो. जुनैद ने जानकारी ली**

इन्हें सरकार की आवास योजनान्तर्गत पक्के मकान की आस है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा उपखण्ड अधिकारी अनूपगढ प्रियंका पिलानिया के साथ बैठक के दौरान चर्चा की कि जहां-जहां राज रकबा है, वहां-वहां नियमानुसार आबादी भूमि में कन्वर्ट के प्रयास किये जायें ताकि ऐसे भूमिहीन परिवारों के भी आवास के सपने पूरे हो सकें। सीईओ जुनैद द्वारा मनरेगा योजना अंतर्गत नरेगा कार्यों का भी ग्राम पंचायत 12 ए बी में निरीक्षण किया तथा ग्राम पंचायत 11/12 एनडी नाहरांवाली में निरीक्षण के दौरान वृक्षारोपण कर पर्यावरण को संतुलित रखने का भी संदेश दिया। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी के साथ एसीईओ वैभव अरोडा, विकास अधिकारी, अनूपगढ़ सहायक अभियंता श्री हरि कृष्ण सिहाग, उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार, पटवारी, सरपंच, ग्राम विकास अधिकारी एव पंचायत समिति स्टाफ मौजूद रहे।

जेईएन महिला का शव मिला

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर डिस्कॉम की जेइएन का शव शनिवार की दोपहर में कायलाना झील में मिला। वह सुबह नौ बजे अपने घर से निकली थी। कार सिद्धनाथ रोड पहाड़ी के पास में पार्क की हुई मिली। गाड़ी के नंबर के आधार पर उनकी पहचान की गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कार्रवाई के लिए एमडीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से एक महिला का शव बाहर निकाला। मृतका की पहचान जोधपुर डिस्कॉम की जेइएन वंदना पुत्री विजय स्वरूप शर्मा के रूप में हुई। शव को पहचान के लिए 17 वर्षीय पुत्री वहां पहुंची और अपनी मां के रूप में पहचान की।

युवक के किडनैप की घटना कैमरे में कैद

हनुमानगढ़, (कासं)। बाइक पर आये लोग फिल्मी स्टाइल में युवक को कुछ ही मिनटों में स्कॉर्पियो में डालकर किडनैप कर ले गए। युवक ने 7 महीने पहले ही लव मैरिज की थी। आरोप है कि युवती के घरवालों ने ही युवक को किडनैप किया है। मामला हनुमानगढ़ के जंक्शन का 16 जून का है। यह घटना वहां लगे कैमरे में कैद हो गई। शनिवार को इसका वीडियो सामने आया है। कालूराम (55) पुत्र देवीलाल निवासी वार्ड 5 खीलेरी बास फतेहगढ़ ने जंक्शन थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। पुलिस को बताया कि उसका 22 साल का बेटा अजय चिस्तीया में शराब ठेके पर काम करता था।

15 जून को उसका बेटा शराब ठेकेदार से बुलेट मांग कर लाया था, जिसे लौटाने के लिए 16 जून की शाम करीब 5 बजे जंक्शन गया था। जहां शराब ठेकेदार को बाइक देने के लिए जैसे ही ओवरब्रिज के पास रुका तो 3 बाइक पर आए लोग उसका किडनैप कर स्कॉर्पियो में ले गए। युवक के पिता ने पुलिस रिपोर्ट में बताया कि उसके बेटे ने नवम्बर 2021 में लव मैरिज की थी, जिसके बाद से ही लड़की के परिजन उससे रंजिश रखने लगे थे। इसके चलते ही लड़की के परिजनों ने अजय का किडनैप कर लिया।

उन्होंने मुकेश पुत्र फताराम, विनोद पुत्र फताराम, राजेन्द्र पुत्र फताराम निवासी 24 एसएसडब्लू, राजेन्द्र पुत्र दयाराम छिम्पा निवासी भागसर, किरसन पुत्र चन्दूराम छिम्पा निवासी दीपलाना, सुरेन्द्र पुत्र कृष्ण लाल निवासी दीपलाना और अन्य व्यक्तियों पर किडनैपिंग का आरोप लगाया है। युवक अजय शराब के ठेके पर काम करता है और ठेकेदार की बाइक लौटाने जंक्शन गया था। अजय की पत्नी रेखा ने बताया कि लव मैरिज के बाद से उसके परिजन दोनों को जान से मारने की धमकी देते थे। उसने बताया कि वीडियो फुटेज में मेरे पिता ही है। मेरे परिजन मेरे पति को मार भी सकते हैं। रेखा ने बताया कि उसके पति को गायब हुए 2 दिन हो गए हैं, लेकिन उनकी कोई जानकारी नहीं मिली है।

यूपी के 4 शातिर बदमाश गिरफ्तार, 8 मोबाइल जब्त

कैलादेवी/करौली, (निसं.)। कैलादेवी थाना पुलिस ने उत्तर प्रदेश के 4 शातिर बदमाशों को एक सार्वजनिक स्थान पर उत्पात मचाते गिरफ्तार कर उनके कब्जे से आठ मोबाइल जब्त किये हैं। कैलादेवी थाना अधिकारी निरंजन कुमार ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह इंदौलिया के निर्देशन में वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कृष्ण चंद यादव के सुपर विजन में थानाधिकारी निरंजन कुमार के नेतृत्व में गठित टीम प्यारेलाल सहायक उपनिरीक्षक, कास्टेबल शिव सिंह, घनश्याम, जतीश, हेमराज, हरसहाय ने अवैध वाहनों की चैकिंग व गश्त के दौरान एक सार्वजनिक स्थान पर उत्पात मचाने पर उत्तर प्रदेश के लोकेंद्र पुत्र जल सिंह जाटव 27, गोविंदा पुत्र राकेश जाटव 19, दिनेश पुत्र अवधेश जाटव 28, राजन पुत्र खेमा जाटव 40 सभी निवासी मलपुरा जिला आगरा को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 8 मोबाइल जब्त किए हैं। थाना अधिकारी ने बताया की मोबाइलों का मालिकाना हक के दस्तावेज नहीं मिलने पर चोरी के होने का संदेह है जिसकी जांच की जा रही है।

नाबालिग को भगा कर ले जाने एवं एससी/एसटी का मामला दर्ज होने से आक्रोशित लोगों का प्रदर्शन

टायर जला कर किया रास्ता जाम, पुलिस, विधायक व सरकार के खिलाफ की नारेबाजी

सुजानगढ़, (निसं)। नाबालिग को भगा कर ले जाने तथा नाबालिग के परिजनों के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज होने से आक्रोशित महिलाओं एवं पुरूषों ने सालासर रोड पर भौजलाई चौराहे और सरावगी पेट्रोल पम्प की बीच जाम लगा कर प्रदर्शन किया। आक्रोशित लोगों ने सडक पर टायर जला कर करीब एक घंटे तक प्रदर्शन किया तथा पुलिस, विधायक व राज्य सरकार के खिलाफ जम कर नारेबाजी की। सडक जाम होने से दोनो ओर वाहनों की लम्बी कतारें लग गई तथा बसों एवं छोटी गाडियों में सवार लोगों को परेशानी का सामना करना पडा।

सालासर सडक जाम होने की सूचना मिलने पर पुलिस उपाधीक्षक रामप्रताप विश्नोई, कोतवाली सीआई सत्येन्द्र कुमार, सदर थाना सीआई मनोज कुमार मूण्ड मय जाप्ते के मौके पर पंहूचे। वृताधिकारी रामप्रताप विश्नोई ने प्रदर्शन कर रहे लोगों से समझाईश कर रास्ता खुलवाया तथा कांस्टेबलों को लगा कर रास्ते में जल रहे टायरों को सडक से दूर करवाया एवं पानी डाल कर बुझवाया। रास्ता खुलने पर वाहन चालकों व बसों में सवार सवारियों ने राहत की सांस ली तथा करीब एक घंटे की देरी से अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए। ज्ञात रहे कि नाबालिग के पिता ने कोतवाली थाने में मोहित रैगर व उसके परिवारजनों के खिलाफ उसकी नाबालिग पुत्री को 74 हजार रूपये नगद, एक अंगुठी, एक चैन, दो जोडी पायल एवं कागजात के साथ भगा कर ले जाने का आरोप लगाया है। पीडित ने रिपोर्ट में बताया है कि आरोपी मोहित विगत दो साल से उसकी पुत्री को फोटो वायरल करने के नाम पर शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताडित कर रहा था। जिस पर नाबालिग ने अपनी दादी, मां व चाची को जानकारी दी। जिसके बाद 13 जून 2022 को पुलिस थाने में रिपोर्ट दी गई थी।

इसी प्रकार एक नाबालिग ने रिपोर्ट दी है कि 18 जून 2022 की सुबह 10-11 बजे अमृता चौधरी, मंजू जाटणी, धापली, कालू प्रजापत, सेठी, कैलाश व उनकी औरतें, कैलाश की मां व आठ-दस रिश्तेदार मेरे घर की दीवार फांद कर मेरे घर में घूस कर तोड-फोड कर की तथा मेरे व मेरी दिव्यांग बहन के साथ मारपीट की, जातिसूचक गालियां निकाली और लज्जा भंग कर दी। पुलिस ने दोनो मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सुजानगढ़ में प्रदर्शन कर रहे लोगों से समझाइश करते डीएसपी रामप्रताप विश्नोई।

- **पुलिस ने दोनों मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है**

फैसले करने वाले ही उस पर कायम नहीं रहे तो फिर वो हमसे क्या उम्मीद करें?

नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने हाईकमान से किया सवाल

जयपुर, (का.प्र.)। कांग्रेस में दो-चार दिन की शांति के बाद में कहीं ना कहीं किसी नेता की ओर से ऐसा बयान सामने आ जाता है, जिससे पार्टी में अंतर्द्वंद नजर आने लगता है। राज्य के नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल ने शनिवार को कोटा में कांग्रेस की कार्यशाला में एक बयान के जरिए सीधे आलाकमान पर ही निशाना साध दिया। उनका यह बयान दो बार हारने वालों के टिकट काटने वाले फार्मूले को लेकर सामने आया। इस बयान के जरिए उन्होंने ना सिर्फ आलाकमान पर निशाना साधा, बल्कि साथी मंत्री डॉ बी डी कल्ला को भी निशाने पर लिया।

कोटा में हुई कांग्रेस की एक दिवसीय कार्यशाला के दौरान राजस्थान सरकार में यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने पार्टी फार्मूले पर सवाल उठाया और हाईकमान पर निशाना साधते हुए कहा कि फैसले करने वाले ही उस पर कायम नहीं रहे तो फिर वो हमसे क्या उम्मीद करे? धारीवाल ने शहर कांग्रेस की जिलास्तरीय कार्यशाला में उदयपुर नव संकल्प घोषणापत्र के क्रियान्वयन पर चर्चा के दौरान दो बार हारे नेताओं को तीसरी बार टिकट नहीं देने पर अपनी बात कह रहे थे।

■ **कहा ''दो बार हारने वालों के टिकट काटने के फार्मूले पर कायम नहीं हैं''**

अपनी बात रखते हुए शांति धारीवाल ने कहा कि इन सब बातों को देखना पड़ेगा। इस तरीके के फैसले कभी होते नहीं है। पहले भी पाबंदी लगा थी कि 2 बार हारे व्यक्ति को तीसरी बार टिकट नहीं देंगे। कई लोगों को टिकट नहीं दिए, लेकिन बीकानेर की नौबत आई तो बीडी कल्ला जी दो बार हारे हुए थे। उन्हें तीसरी बार टिकट दे दिया। फिर उन्हें क्यों दे दिया? दूसरे को क्यों नहीं दिया? उन्होंने कहा कि इन चीजों पर फैसला होना चाहिए। अगर आप पाबंदी नहीं रखोगे, तो हम से क्या उम्मीद करोगे।

उल्लेखनीय है कि इस कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान कैबिनेट की बैठकों में कई बार मंत्री आपस में भिड़े हैं और पिछली कैबिनेट की बैठक के दौरान ही नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल के साथ ही मंत्री भजनलाल ने भी डॉ बी डी कल्ला पर सवाल उठाए थे। धारीवाल ने शिक्षा विभाग में आरएसएस से जुड़े कर्मचारियों और शिक्षकों के एक ही जगह लंबे समय से जमे रहने पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग में आरएसएस बैकग्राउंड के कर्मचारियों को प्राइम जगहों पर लगाया हुआ है। पिछले दिनों प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में हुई जनसुनवाई में भी धारीवाल ने कहा था कि आरएसएस से जुड़े कर्मचारियों को प्राइम जगहों से हटाना चाहिए।

अब पूर्व न्यायाधीश करेंगे चेक अनादरण के मुकदमों का फैसला

जयपुर, (का.सं.)। चेक अनादरण के मामलों की सुनवाई अब संविदा पर लगे पूर्व न्यायाधीश करेंगे। फिलहाल प्रदेश की पांच जजशिप में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर ये न्यायालय स्थापित किए जाएंगे। खास बात यह है कि इन न्यायालयों के पीठासीन अधिकारी से लेकर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी तक सभी सेवानिवृत्त न्यायाधीश और रिटायर कर्मचारी होंगे। पीठासीन अधिकारी को जहां मासिक एक लाख रुपए का मानदेय दिया जाएगा, वहीं कोर्ट स्टाफ को चौबीस हजार रुपए से लेकर पैंतीस हजार रुपए का मानदेय मिलेगा।

राजस्थान न्यायिक सेवा से सेवानिवृत्त हुए अधिकारी की चेक अनादरण की विशेष अदालत में पीठासीन अधिकारी के तौर पर नियुक्ति मुख्य न्यायाधीश की सिफारिश के बाद राज्य सरकार की ओर से की जाएगी। इसके लिए हाईकोर्ट की वेबसाइट पर आवेदन मांगे जाएंगे। इसमें 64 साल तक की उम्र वाले पूर्व न्यायाधीश आवेदन करेंगे। वहीं कोर्ट स्टाफ के मामले में कर्मचारी की उम्र 65 साल रखी गई है।

■ **खास बात यह है कि इन न्यायालयों में सभी कर्मचारी रिटायर कार्मिक**

बढ़ते मुकदमों को कम करने की कवायद

प्रदेश सहित देशभर में चेक अनादरण के मुकदमों की संख्या तेजी से बढ रही है। बताया जा रहा है कि देश की विभिन्न अदालतों में करीब तीस लाख से अधिक चेक अनादरण के मामले लंबित हैं। इनके त्वरित निस्तारण के लिए सुप्रीम कोर्ट ने स्व प्रेरणा से प्रसंज्ञान लेते हुए सभी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों को निर्देश दिए थे कि वे अपने हाई कोर्ट के क्षेत्राधिकार के जिला न्यायालय में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर विशेष न्यायालय स्थापित करें और इनमें पूर्व न्यायिक अधिकारियों और कोर्ट स्टाफ को नियुक्त करें। इसके तहत हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल की ओर से इसकी अधिसूचना को राजपत्र में प्रकाशित कराया गया है।

नियुक्ति से पहले विशेष प्रशिक्षण

पूर्व न्यायाधीशों को इन अदालतों में नियुक्ति देने से पहले प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। राज्य न्यायिक अकादमी की ओर से इन्हें चार सप्ताह की विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी। जिसमें एनआई कोर्ट की प्रक्रिया और साक्ष्य आदि के बारे में बताया जाएगा।

समन तामील हो चुके मुकदमों को ही सुनेगी

जानकारी के अनुसार इन अदालतों में उन्हीं मामलों को भेजा जाएगा, जिसमें विधिवत रूप से आरोपी पक्ष पर समन की तामील हो चुकी है और आरोपी या उसका वकील अदालत में पेश हो रहा है।

विशेष न्यायालय फिर भी लाखों लंबित मुकदमे

गौरतलब है कि चेक अनादरण के लंबित मुकदमों की संख्या लाखों में होने के चलते इन विशेष अदालतों में भी मुकदमें तय होने में कई साल लग रहे हैं।

छेड़छाड़ के अभियुक्त को सजा

जयपुर, (का.सं.)। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-3 महानगर द्वितीय ने नाबालिग के साथ आए दिन छेड़छाड़ करने वाले अभियुक्त निक्कू उर्फ आयुष को तीन साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर पन्द्रह हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

जयपुर में अभी भी अच्छी बारिस नहीं होने से लोग गर्मी से परेशान हैं। शायद ये सूखा पेड़ आसमान में बादल छाने पर यही पुकार कर रहा होगा कि बरसो रे मेघा अब तो बरसो। फोटो : दिनेश भारद्वाज

कोयला खनन मामले में गतिरोध दूर नहीं होना राज्य सरकार की नाकामी है : राठौड़

जयपुर। उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने वक्तव्य जारी कर कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बाद अब ऊर्जा मंत्री द्वारा राजस्थान को ब्लैक आउट से बचाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार से तत्काल कोयला खनन शुरू करने के लिए बार-बार मिन्नतें करना दुर्भाग्यपूर्ण है। जबकि राजस्थान व छत्तीसगढ़ दोनों ही प्रदेशों में कांग्रेस शासित सरकारें हैं, इसके बावजूद कोयला खनन को लेकर गतिरोध का अब तक समाधान नहीं होना राज्य सरकार की नाकामी व घोर विफलता है।

राठौड़ ने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी से ईडी द्वारा पूछताछ करने के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ घंटों-घंटों साथ रहे, अगर उस समय थोड़ा सा समय निकालकर अशोक गहलोत राजस्थान में जारी कोयला संकट को लेकर उनसे बात कर लेते तो आज प्रदेश में कोयला संकट के कारण विद्युत आपूर्ति ठप्प नहीं होती। राठौड़ ने कहा कि इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या होगा कि दोनों ही राज्यों में कांग्रेस पार्टी की सरकार होने के बावजूद इस मामले का समाधान नहीं हो पाया जबकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पारसा कोल ब्लॉक में खनन को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की शिकायत भी कर चुके हैं। उसके बावजूद भी समाधान नहीं होने के कारण आज एक बार फिर से प्रदेश में राजस्थान में कोयले का अभूतपूर्व संकट आ गया है।

■ **'इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या होगा कि दोनों ही राज्यों में कांग्रेस पार्टी की सरकार होने के बावजूद इस मामले का समाधान नहीं हो पाया जबकि मुख्यमंत्री गहलोत पारसा कोल ब्लॉक में खनन को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की शिकायत भी कर चुके हैं'**

राठौड़ ने कहा कि विगत 25 मार्च को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रायपुर पहुंचकर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मुलाकात कर राजस्थान में कोयले की कमी से उत्पन्न बिजली संकट तथा छत्तीसगढ़ में आवंटित पारसा कोल ब्लॉक खान से कोयला खनन की स्वीकृति जारी करने के बारे में चर्चा कर खनन करने की सहमति व्यक्त की थी। मुख्यमंत्री को अब स्पष्ट करना चाहिये कि छत्तीसगढ़ सरकार के साथ परसा कोल ब्लॉक में खनन स्वीकृति देने की सहमति का क्या हुआ? छत्तीसगढ़ के पारसा में राजस्थान के हिस्से की माइंस आवंटित है। केन्द्र सरकार ने पहले ही इस माइंस के लिए एन्वायर्मेंट क्लीयरेंस जारी कर दी थी, उसके बाद भी छत्तीसगढ़ सरकार की हठधर्मिता के कारण कोयला खनन की स्वीकृति जारी नहीं करवा पाना राजस्थान सरकार की अकर्मण्यता व विफलता को दर्शा रहा है, वो भी तब जब वहां पर कांग्रेस की ही सरकार है।

जयपुर के वायु सेना में कमीशन्ड ऑफिसर बने सक्षम रावल

जयपुर। हैदराबाद स्थित वायुसेना अकादमी में आयोजित भव्य कम्बाइंड ठोजुएशन परेड में जयपुर के सक्षम रावल कमीशन्ड हुए। सक्षम को फ्लाइंग ऑफिसर की रैंक प्रदान की गई, वायु सेना की यह रैंक थल सेना के लेफ्टिनेंट के समकक्ष है। समारोह के मुख्य अतिथि आर्मी चीफ जनरल मनोज पांडे थे। एयर फोर्स ऑफीसर बनने के बाद सक्षम रविवार को जयपुर पहुंचेंगे। हमेशा कक्षा में टॉपर रहने वाले सक्षम रावल ने अपनी शिक्षा जयपुर में पूरी की और कोरोना काल में पिछले साल बिना कोचिंग के तैयारी करके यूपीएससी द्वारा आयोजित ऑल इंडिया स्तरीय एफकैट में सफलता प्राप्त की थी।

करोना संक्रमण से सीकर में एक रोगी की मौत

जयपुर (कासं)। राजस्थान में कोविड संक्रमण एक बार फिर बढ़ने लगा है। शनिवार को 123 नये संक्रमित मरीज सामने आये, जबकि सीकर में एक रोगी की मौत भी हुई। चिकित्सा विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 39 नये मामले बढ़े है। शनिवार को सबसे ज्यादा 64 मरीज जयपुर जिले में मिले। इसके अलावा अलवर व बीकानेर में 12-12, जोधपुर में 9, अजमेर में 7, उदयपुर में 6, नागौर में 4, सीकर, झालावाड़ और सिरोही में 2-2 तथा बारां, चित्तौड़गढ़ व डूंगरपुर में एक-एक नया मरीज सामने आया है। जबकि राज्य के शेष 20 जिलों में शनिवार को कोई नया संक्रमित नहीं मिला। राज्य में फिलहाल 669 एक्टिव केस हैं, इनमें से सर्वाधिक 317 सक्रिय मरीज जयपुर जिले में है।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने ओलिंपिक मेडलिस्ट अर्जेंटीना को धूल चटाई

रोटरडम (नीदरलैंड्स), 18 जून। गुरजीत कौर के दो गोल से भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एफआईएच प्रो लीग के 'डबल लेग' मुकाबले के पहले मैच में निर्धारित समय में 3-3 के स्कोर के बाद शूटआउट में ओलिंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट अर्जेंटीना को 2-1 से हराकर उलटफेर किया।

गुरजीत (37वें और 51वें मिनट) ने दो पेनल्टी कॉर्नर से और लालरेमसियामी ने चौथे मिनट में मैदानी गोल किया। अर्जेंटीना के लिए ऑगस्टिना गोर्जेलानी ने 22वें, 37वें और 45वें मिनट में हैट्रिक करके मैच को शूटआउट तक पहुंचाया।शूटआउट में नेहा गोयल और सोनिका ने भारत के लिये गोल किये जबकि मौजूदा प्रो लीग चैंपियन अर्जेंटीना के लिये विक्टोरिया ग्रानाटो एकमात्र स्कोरर रहीं। इस तरह सविता पूनिया की टीम ने यादगार जीत दर्ज की और तोक्यो ओलंपिक सेमीफाइनल में इसी प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ मिली 1-2 की हार का बदला भी चुकता किया।

भारत ने शुरू में ही अर्जेंटीना के रक्षण पर दबाव बनाकर तीसरे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया लेकिन मोनिका की फ्लिक का प्रतिद्वंद्वी गोलकीपर बेलेन सुकी ने अच्छा बचाव किया। एक मिनट बाद भारत ने लालरेमसियामी के शानदार मैदानी गोल से बढ़त बनायी। इस गोल से दबाव में आयी अर्जेंटीना ने आक्रमण करना शुरू किया और जल्द ही लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किये लेकिन भारत के मजबूत रक्षण के आगे उनकी एक नहीं चली।

दूसरे क्वार्टर के छह मिनट में अर्जेंटीना ने तेजी से दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किये और ऑगस्टिना गोर्जेलानी ने गोल कर दिया जब उनकी फ्लिक सुशीला चानू की स्टिक से डिफ्लेक्ट हो गयी। भारत को हाफ टाइम से कुछ सेंकेड से पहले एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन मौका गंवा दिया। इसके बाद गोर्जेलानी ने 37वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से गोल किया।

अर्जेंटीना की खुशी कुछ देर ही रह सकी भारत ने सेंकेड बाद ही गुरजीत कोर के पेनल्टी कॉर्नर पर किये गये गोल से बराबरी हासिल की। अर्जेंटीना ने कोशिश जारी रखी और तीसरे क्वार्टर में दो और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किये लेकिन भारतीयों का रक्षण बेहतरीन रहा। अर्जेंटीना को आठवां पेनल्टी कॉर्नर 45वें मिनट में मिला और गोर्जेलानी ने गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी कर टीम को फिर आगे कर दिया।

भारतीय खिलाड़ियों ने उम्मीद नहीं छोड़ी और डटी रहीं। गुरजीत ने फिर 51वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर स्कोर 3-3 की बराबरी पर ला दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने विजयी गोल करने की कोशिश की लेकिन दोनों टीमों का रक्षण दमदार रहा, जिससे मैच शूटआउट में चला गया। भारत और अर्जेंटीना अब दूसरे मैच में रविवार को एक दूसरे के आमने सामने होंगे।

भारत-दक्षिण अफ्रीका में निर्णायक मुकाबला आज

पांच मैचों की टी-20 सीरीज में दोनों टीमें 2-2 की बराबरी पर

बेंगलुरु, 18 जून। पांच मैचों की टी 20 सीरीज में 2-2 की बराबरी हो जाने के बाद रविवार को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच निर्णायक मुकाबला ब्लॉकबस्टर होगा। दक्षिण अफ्रीका ने दिल्ली और कटक में पहले दो मैच आसानी से जीते लेकिन भारतीय टीम ने शानदार वापसी करते हुए विशाखापत्तनम और राजकोट में अगले दो मैच जीतकर सीरीज में बराबरी कर ली। राजकोट में चौथे मैच में भारत ने दक्षिण अफ्रीका पर रनों के हिसाब से टी20 में अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की।

राजकोट में प्लेयर ऑफ द मैच रहे दिनेश कार्तिक ने 2006 में भारत का पहला टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेला था और उन्हें अपना पहला टी20 अंतर्राष्ट्रीय अर्धशतक लगाने के लिए 16 साल और 35 मैच लग गए। कार्तिक ने हार्दिक पांड्या के साथ पांचवें विकेट के लिए तेज़ 65 रन जोड़े, जिसकी बदौलत एक समय 13 ओवर में चार विकेट खोकर 81 रन पर लड़खड़ा रही भारतीय टीम ने 169 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। भारत ने अंतिम पांच ओवरों में 73 रन बनाए।

जवाब में दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाज़ी भारतीय गेंदबाज़ों के सामने टिक नहीं पाई और 87 रन पर सिमट गयी। यह साउथ अफ्रीका का टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में न्यूनतम स्कोर था। दक्षिण अफ्रीका ने अपने अंतिम पांच विकेट सिर्फ़ 13 रन के भीतर गंवाए। भारत की तरफ़ से आवेश ख़ान सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ रहे, जिन्होंने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 18 रन देकर चार विकेट लिया। उन्होंने अपने तीसरे ओवर में तीन विकेट लिए।

भारत की निर्णायक मुकाबले से पहले एकमात्र चिंता कप्तान ऋषभ पंत की फॉर्म है। यह सीरीज़ कप्तान ऋषभ पंत के लिए कुछ ख़ास नहीं रही है। वह रन तो बना नहीं रहे हैं जबकि एक ही तरीक़े से आउट हो रहे हैं। पिछली चार में से तीन पारियों में वह ऐसी गेंदों पर आउट हुए हैं जो आसानी से वाइड हो सकती थी।

वह ज़बरदस्ती ऑफ़ स्टंप से काफ़ी बाहर जा रही गेंदों को मारने की कोशिश करते हैं और अपनी विकेट फेंक देते हैं। चौथे मैच में वह केशव महाराज की वाइड लाइन से बाहर जाती फ़ुल गेंद को स्वीप करने गए, बाहरी किनारा लगा और शॉर्ट थर्ड मैन पर ड्वेन प्रिटोरियस के लिए यह आसान कैच था। पंत ने मैच के बाद कहा, हमने अच्छा खेलने और प्लान पर अमल करने की बात की थी और हमने ऐसा ही किया। जो टीम अंतिम मैच में अच्छा खेलेगी वह जीतेगी। मैं अपने खेल में कुछ बदलाव कर सकता हूं लेकिन मैं ज़्यादा सोच विचार नहीं करता हूं। बेंगलुरु में हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे और सीरीज़ जीतने का प्रयास करेंगे।

दक्षिण अफ्रीका के उपकप्तान केशव महाराज ने कहा, अंतिम पांच ओवरों में हमने ज़्यादा रन लुटाए। बल्लेबाज़ी के दौरान पावरप्ले में हमसे ग़लतियां हुई और हम पीछे हट गए। रविवार को एक अहम मैच होगा और हमें बेहतर प्रदर्शन करना होगा। हमने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए जिससे साझेदारी निभाना कठिन हो गया।

भारतीय गेंदबाज़ों को भी श्रेय दिया जाना चाहिए क्योंकि उन्होंने शानदार गेंदबाज़ी की। भारत में छोटे मैदानों पर गेंदबाज़ी करना मेरे लिए कठिन होता है। बेंगलुरु में अंतिम मुक़ाबले में बहुत मज़ा आएगा। भारत ने चौथा मैच 82 रनों से जीतकर बेंगलुरु में होने वाले अंतिम मुक़ाबले को सीरीज़ का फ़ाइनल बना दिया है। इस मुकाबले में जो टीम अनुशासन के साथ बढ़िया खेलेगी वह सीरीज अपने नाम करेगी।

विश्व कप खिताब के लिए ऐसी टीम का गठन जरूरी जो हर परिस्थितियों में बेहतर कर सके

बेंगलुरू, 18 जून। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच रमेश पवार ने शनिवार को एक मजबूत टीम बनाने की जरूरत पर जोर दिया जो विश्व कप खिताब जीतने के लिए सभी परिस्थितियों में खेल सके। भारतीय महिलाएं दो बार विश्व खिताब जीतने के करीब पहुंची थी लेकिन दोनों बार उसे फाइनल में मेजबान देशों के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी। टीम 2017 में इंग्लैंड में एकदिवसीय विश्व कप और 2020 में ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप की उपविजेता रही। पवार ने श्रीलंका दौरे पर टीम की रवानगी से पहले आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम अपनी क्षेत्ररक्षण और फिटनेस पर काम कर के अपने खिलाड़ियों को अगले स्तर तक ले जाने की कोशिश कर रहे है। यह हमारा तात्कालिक लक्ष्य है जिसे हम हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, '' आने वाले समय में आप विश्व कप जीतना चाहते हैं, लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि आप एक ऐसी टीम बनाएं जो हर स्थिति में और हर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ कड़ी प्रतिस्पर्धा कर सके। इसलिए हम श्रीलंका दौरे से पहले इस पर काम कर रहे हैं।''

23 साल बाद रणजी फाइनल खेलने उतरेगी मध्य प्रदेश

बेंगलुरु, 18 जून। 23 साल पहले चिन्नास्वामी स्टेडियम में मध्य प्रदेश का रणजी ट्रॉफ़ी जीतने का सपना टूट गया था। 23 साल बाद वह उसी मैदान पर फिर एक बार उस सपने को पूरा करने का प्रयास करेगी। उसके सामने 41 बार की चैंपियन मुंबई की चुनौती होगी जो 2016-17 के बाद पहली बार फ़ाइनल में पहुंची है। दिलचस्प बात यह है कि उस समय मुंबई के कोच रहे चंद्रकांत पंडित अब मध्य प्रदेश के ख़ेमे में हैं। पहले मुंबई और फिर विदर्भ के साथ रणजी ट्रॉफ़ी जीतने के बाद उनके पास इतिहास को दोहराने का अच्छा मौक़ा है। और तो और जब कर्नाटक ने 1998-99 में मध्य प्रदेश को फ़ाइनल में हराया था, तब पंडित टीम के कप्तान थे।

दिग्गज कोच रमाकांत आचरेकर के शिष्य पंडित और अमोल मज़ुमदार (मुंबई के कोच) 22 जून को अपनी अपनी खडूस टीमों के साथ फ़ाइनल में होंगे। मध्य प्रदेश को फ़ाइनल में पहुंचाने का बड़ा श्रेय बाएं हाथ के स्पिनर कुमार कार्तिकेय को जाता है। पिछले हफ़्ते पंजाब के ख़िलाफ़ दूसरी पारी में छह विकेट लेने के बाद उन्होंने सेमीफ़ाइनल में बंगाल के विरुद्ध दूसरी पारी में पांच विकेट झटके।

पहली पारी में 97 पर चार की स्थिति से मध्य प्रदेश ने 341 का स्कोर खड़ा किया। हिमांशु मंत्री के 165 रन और 18 वर्षीय अक्षत रघुवंशी के साथ उनकी शतकीय साझेदारी ने इसमें अहम भूमिका निभाई। चोटिल मनोज तिवारी और शाहबाज़ अहमद के शतकों के दम पर बंगाल ने वापसी की।

54 रन पर पांच विकेट गंवाने के बाद इन दोनों ने रनों के बीच के अंतर को केवल 68 पर ला खड़ा किया। हालांकि रजत पाटीदार और आदित्य श्रीवास्तव के अर्धशतकों की बदौलत मध्य प्रदेश ने 350 का लक्ष्य खड़ा किया।

जब अंतिम दिन का खेल शुरू हुआ तो बंगाल को 254 रनों की आवश्यकता थी और उनके छह विकेट शेष थे। अंपायर के ख़राब पगबाधा फ़ैसले के अलावा उनका बल्लेबाज़ी क्रम स्पिन के आगे बिखर गया। बंगाल की ओर से कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन ने 78 रन बनाए लेकिन कार्तिकेय की लो रही गेंद पर जब वह बोल्ड हुए तब मैच उनकी पकड़ से दूर जा चुका था। 66वें ओवर में मध्य प्रदेश ने जीत पूरी की जब गौरव यादव ने मुकेश कुमार को बोल्ड किया। 175 रनों पर बंगाल की पारी सिमटी। शाहबाज़ 82 गेंदों पर 22 रन बनाकर नाबाद रहे। अजीब बात यह रही कि दूसरे छोर पर गिरते विकेटों के बावजूद उन्होंने आक्रामक रवैया नहीं अपनाया।

इस मैच में बंगाल ने एक अतिरिक्त ऑलराउंडर को खिलाकर अपनी बल्लेबाज़ी को मज़बूत किया था। इस वजह से इशान पोरेल को ड्रॉप किया गया और यह फ़ैसला भारी पड़ गया। उनकी जगह खेल रहे सायन मंडल ने दो पारियों में केवल एक रन बनाया और 16 ओवरों में उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला। मध्य प्रदेश के हाथों मिली हार के बाद बंगाल के निराशाजनक सीज़न का अंत हुआ।

चेन्नईयिन एफसी ने साजिद धोत से दो साल का करार किया

चेन्नई, 18 जून। दो बार की इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) चैम्पियन चेन्नईयिन एफसी ने डिफेंडर मोहम्मद साजिद धोत से दो साल का नया अनुबंध किया है जिससे वह क्लब के साथ 2024 तक बने रहेंगे। इस फुटबॉलर ने क्लब के लिये पिछले आईएसएल सत्र में छह मैच खेले थे जिसमें 24 साल के इस खिलाड़ी ने काफी प्रभावित किया था। उन्होंने एक विज्ञप्ति में कहा, ''मैं इस क्लब का दो और साल हिस्सा बना रहूंगा जिससे मैं बहुत खुश हूं। पिछले साल मुझे मौके मिले और मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया।

एशियाई साइक्लिंग के पहले दिन चमका भारत

नयी दिल्ली, 18 जून। एशियाई ट्रैक साइक्लिंग चैंपियनशिप की शनिवार को यहां इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम के यमुना वेलोड्रोम में शुरुआत हुई और मेजबान भारत ने पहले दिन चमकदार प्रदर्शन किया। पहले दिन 12 फाइनल्स हुए जिनमें से चार पैरा चैंपियनशिप के लिए थे। भारत ने 41वीं सीनियर और 28वीं जूनियर एशियाई चैंपियनशिप में एक रजत और छह कांस्य पदक जीते जबकि 10वीं पैरा चैंपियनशिप में एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीता। भारत को रजत पदक जूनियर चार किमी टीम परस्यूट स्पर्धा में मिला। भारतीय चौकड़ी ने क्वालीफाइंग में 4:54.884 और फ़ाइनल में 4:54.034 का समय निकाला। सीनियर महिला चार किमी टीम परस्यूट स्पर्धा में भारत को कांस्य पदक मिला। भारत ने 17 साल के अंतराल के बाद एशियाई चैंपियनशिप के सीनियर महिला वर्ग में कोई पदक जीता है। पैरा महिला सी 1- सी 5 500 मीटर टाइम ट्रायल स्पर्धा में ज्योति गेदरया ने 58.283 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण जीता।

असम में मानसून की शुरुआत के साथ ही आई भयंकर बाढ़ के कारण लोगों की जिंदगी भारी मुश्किल में आ गई है। लोगों को घर -बार छोड़कर सुरक्षित स्थान पर जाना पड़ रहा है। राज्य में सभी बड़ी नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर आ गया है, इससे बाढ़ की स्थिति और भी भयावह हो गयी है और बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 54 हो गयी है। राज्य के कई हिस्सों में लगातार बारिश होने से कई स्थानों पर भूस्खलन की घटनाएं भी हुई हैं। राज्य के 28 जिलों के 2930 गांवों के 19 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। राज्य में पिछले पांच दिनों से भारी बारिश हो रही है। राजधानी गुवाहाटी में प्रमुख सड़कों पर घुटनों तक पानी जमा हो गया है, जिससे जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र के अनुसार कम से कम अगले दो दिनों तक बारिश थमने का कोई आसार नहीं है। मौसम विभाग ने असम और मेघालय दोनों राज्यों में रैड अलर्ट जारी किया है।

फारुक अब्दुल्ला ने भी राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी से इंकार किया

फारुक अब्दुल्ला ने कहा कि, जम्मू कश्मीर एक 'गंभीर मोड़' से गुजर रहा है, इसीलिए उन्होंने यह निर्णय लिया है

श्रीनगर, 18 जून (वार्ता)। एन.सी.पी प्रमुख जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को राष्ट्रपति पद के लिए आगामी चुनावों के लिए संयुक्त विपक्ष का उम्मीदवार बनने से 'ससम्मान' इनकार कर दिया।

नैशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष ने अपने बयान में कहा कि जम्मू कश्मीर एक 'गंभीर मोड़' से गुजर रहा है , इसीलिए उन्होंने यह निर्णय लिया है।

अब्दुल्ला ने बयान में कहा, मैं ममता बनर्जी द्वारा भारत के राष्ट्रपति पद के लिए संभावित संयुक्त विपक्षी उम्मीदवार के रूप में अपना नाम प्रस्तावित करने के लिए सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मुझे अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन देने वाले विपक्षी नेताओं के कई फोन आए हैं।

- **अब्दुल्ला ने बयान में कहा, मैं ममता बनर्जी द्वारा भारत के राष्ट्रपति पद के लिए संभावित संयुक्त विपक्षी उम्मीदवार के रूप में अपना नाम प्रस्तावित करने पर सम्मानित महसूस कर रहा हूं, लेकिन मेरे लिए यह जिम्मेदारी उठा पाना वर्तमान परिस्थितियों के अनुसार संभव नहीं है।**
- **गौरतलब है कि, इन हालिया घटनाक्रमों से एक के बाद एक विपक्ष की एकता और उम्मीदें धूमिल होती जा रही हैं, ममता बनर्जी एक अलग छोर पर खड़ी हैं तथा कांग्रेस व अन्य दल दूसरे किनारे पर खड़े होकर विपक्षी एकता की बातें कर रहे हैं।**

उन्होंने कहा कि केन्द्रशासित प्रदेश की वर्तमान स्थिति को देखते हुए मैंने ससम्मान राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी से इन्कार किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने परिवार और वरिष्ठ सहयोगियों के साथ इस अप्रत्याशित विकास पर चर्चा करने में कुछ दिन लगे। उन्होंने कहा, देश में सर्वोच्च पद के लिए मुझे जो समर्थन मिला है और सम्मानित किया गया है, उससे मैं दिल की गहराई से प्रभावित हूं। मेरा मानना है कि जम्मू कश्मीर एक महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है और प्रदेश को इस अनिश्चितता के समय को दिशासूचक के तौर पर मदद करने के लिए मेरे आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, मेरे सामने सक्रिय राजनीति है और मैं जम्मू-कश्मीर और देश की सेवा में अपना सकारात्मक योगदान देने के लिए तत्पर हूं। इसलिए मैं सम्मानपूर्वक अपना नाम विचार से वापस लेना चाहता हूँ और मैं संयुक्त विपक्ष की आम सहमति के उम्मीदवार का समर्थन करने के लिए तत्पर हूँ।

कोटपूतली में कोचिंग संचालकों पर राज कार्य में बाधा व सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने का मुकदमा दर्ज

पुलिस ने नौ कोचिंग संचालकों के खिलाफ छात्रों एवं युवाओं को उपद्रव के लिए भड़काने का मामला दर्ज किया

कोटपूतली, 18, जून (निसं)। अग्निपथ योजना को लेकर कोटपूतली में युवाओं के उपद्रव के मामले में पुलिस ने कस्बे की 9 डिफेंस ऐकेडमियों के संचालकों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया है।

आपको बता दें कि शुक्रवार को कोटपूतली में सैकड़ों की संख्या में उपद्रवी तत्वों ने राजमार्ग पर मुख्य चौराहे से लेकर पूतली कट तक पथराव कर एक दर्जन से अधिक रोडवेज व निजी बसो व पुलिस वाहनों के शीशे तोड़े थे और वाहनों में तोडफोड़ कर जमकर उत्पात मचाया था। वहीं इस दौरान हुए पथराव में दो पुलिसकर्मियों सहित तीन-चार अन्य लोग भी घायल हो गये थे।

वहीं दूसरी ओर शुक्रवार देर शाम जयपुर ग्रामीण एसपी मनीष अग्रवाल भी कोटपूतली पहुंचे थे। एसपी अग्रवाल ने तोडफोड़ करने, राजमार्ग जाम करने का प्रयास करने वाले उत्पाती तत्वों की पहचान कर नामजद मामला दर्ज करने के निर्देश दिये थे। इसी क्रम में एसएचओ सवाई सिंह ने कस्बा स्थित 9 डिफेंस एकेडमियों के संचालकों पर छात्रों को उकसा कर भडकाने एवं राजकार्य में बाधा डालने, सरकारी सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने, रोडवेज व निजी तथा पुलिस वाहनों में तोडफोड़ करने और

- **प्रशासन ने समस्त छात्रावासों को खाली करवाया।**

राजमार्ग जाम करने सहित विभिन्न धाराओं में नामजद मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस प्रशासन ऐहतियात के तौर पर कस्बे के छात्रावास अधीक्षकों को आगामी आदेश तक छात्रों को छात्रावास में नहीं रखे जाने के लिए पाबंद किया है। घटनाक्रम में पुलिस ने 46 युवकों को विभिन्न स्थानों से हिरासत में लिया। इसमें से 34 को शांतिभंग में गिरफ्तार किया गया है।

एएसपी विधा प्रकाश ने बताया कि कोटपूतली में बहुत से सैन्टर सेना भर्ती की तैयारी करवाते हैं, जिन्होंने बिना किसी अनुमति के पार्क में उग्र प्रदर्शन करने के बाद राजमार्ग पर पथराव, वाहनों में तोडफोड़ की घटना को अंजाम दिया। जिसको पुलिस उपद्रवियों की और पहचान कर रही है। जिसके बाद प्रकरण में और भी मुकदमें दर्ज किये जायेंगे। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जायेगा। फरार हुए उपद्रवियों की भी तलाश की जा रही है। वहीं पुलिस ने सभी कोचिंग संचालकों की बैठक बुलाकर आवश्यक निर्देश दिये। इसके बाद मय जाप्ते के फ्लैग मार्च भी किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्पाती तत्वों ने राजस्थान रोड़वेज की 8, हरियाणा रोड़वेज की 2, जम्मु कश्मीर रोड़वेज की 1 बसों के साथ-साथ पुलिस की 2 जीप, 2 ट्रक व 3 निजी बसों में तोडफोड़ व पथराव कर उनके शीशे तोड़े थे।

इधर अग्निपथ योजना के कारण क्षेत्र के बिगड़े हुए हालातों को देखते हुए डीएसपी डॉ. संध्या यादव व एसएचओ सवाई सिंह ने शनिवार को कोटपूतली थाने में विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंचों व जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक की। साथ ही सरपंचों को अपने-अपने क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाये रखने एवं उत्पात मचाने वाले असामाजिक तत्वों की जानकारी देने के लिए निर्देशित किया। डीएसपी ने कहा कि अपने-अपने क्षेत्र में निगरानी रखें। साथ ही जिन गांवों से आये लडकों ने कस्बे में तोडफोड़ व राजकीय सम्पत्ति को नुकसान पहुँचाया है उनकी जानकारी जल्द से जल्द पुलिस को उपलब्ध करवायें। डीएसपी डॉ. संध्या यादव मय पुलिस जाप्ते के गोरधनपुरा चौकी व राजनौता का दौरा कर ग्रामीणों के साथ समझाईश भी की। डीएसपी ने कहा कि छात्रों को समझाया जायें कि वे कानून अपने हाथ में ना लें। कानून हाथ में लेने वाले तत्वों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जायेगा।

मंत्री हैं या ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के रूप में झूठे दावे करने में उसी तरह व्यस्त हैं जैसे कि कोई सेल्समैन करता है। उन्होंने ध्यान दिलाया कि गृह मंत्री अमित शाह ने चार वर्ष की सेवा के बाद सेवानिवृत्त होने वाले 25 प्रतिशत "अग्निवीरों" को नौकरियों में लेने का वादा नहीं किया क्योंकि उन्होंने बड़ी चालाकी के साथ "25 प्रतिशत तक" की बात कहीं, जिसका मतलब यह हो सकता है कि 25 प्रतिशत से नीचे कोई भी प्रतिशत, लेकिन शेष 75 प्रतिशत के लिए कोई भी बात नहीं कही गई।

उन्होंने इस दावे का भी खण्डन किया कि सेना में चार वर्ष की सेवाएं देने वालों के खाते में 20 लाख रूपए आएंगे।

उन्होंने ध्यान दिलाया कि यह वैसा ही वादा है जैसा प्रधानमंत्री ने किया था कि एक बार काला धन बाहर आने के बाद प्रत्येक नागरिक के खाते में 15 लाख रूपए आ जाएंगे।

उन्होंने कहा कि नोटबंदी एक अन्य योजना थी, जिसमें वादा किया गया था कि इससे देश में आतंकवाद समाप्त होगा, तो फिर पुलवामा नरसंहार क्यों हुआ?

कन्हैया ने ध्यान दिलाया कि केन्द्र सरकार के पास 28 लाख रिक्तिया हैं जिन्हें युवाओं को आंदोलन में झोंकने के बजाए बेरोजगारों की मदद के लिए भरा जा सकता है और सेना में सैनिकों के रूप में भर्ती होने वाले बच्चे गांवों में परिश्रम कर रहे किसानों के पुत्र हैं ना कि गृह मंत्री का कोई पुत्र जिसकी पहली पसंद बी.सी.सी.आई. प्रैसीडेन्ट बनना है।

श्रीमाधोपुर में भी कोचिंग संचालकों को गिरफ्तार किया

कोचिंग संचालकों पर छात्रों एवं युवाओं को उपद्रव फैलाने के लिए भड़काने एवं प्रेरित करने का आरोप है

श्रीमाधोपुर, 18 जून (निसं)। पुलिस ने अग्निपथ योजना को लेकर हिंसक उपद्रव व सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार लोगों में मुख्य आरोपी एवं विनायक कोचिंग क्लासेज के निदेशक संयोग भावरिया भी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार श्रीमाधोपुर शहर में केंद्र सरकार की अग्निपथ योजना के विरोध में कल युवा शांतिपूर्ण तरीके से आक्रोश रैली निकाल रहे थे कि अचानक कुछ युवाओं ने पुलिस पर पत्थरबाजी की और श्रीमाधोपुर शहर सहित बाईपास रोड पर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाते हुए आग के हवाले कर दिया। वहीं मुख्य बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन सहित शहर में तीन बैंकों के एटीएम तथा दो कियोस्क तोड़कर नुकसान पहुंचाया गया।

बाद में पुलिस के आरएसी के जाप्ते सहित जवानों, अधिकारियों ने मोर्चा संभालते हुए प्रदर्शनकारी उपद्रवियों को खदेड़ा। इस दौरान पुलिस ने वीडियो तथा फोटोज के आधार पर उपद्रवियों का नेतृत्व कर रहे विनायक कोचिंग क्लासेस के निदेशक संयोग भावरिया तथा सेवानिवृत्त फौजी बिरजू सिंह सामोता सहित कुल 17 आरोपियों को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार किया। उन्हें आज एसडीएम के समक्ष पेश किया, जहां से सभी को सोमवार तक जेल भेजने के आदेश दिए गए। डिप्टी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि उपद्रवियों के खिलाफ पुलिस थाने में अब तक 7 अलग-अलग मामले सरकारी अधिकारियों सहित निजी व्यक्तियों ने दर्ज करवाए हैं, वही एक मुकदमा जीआरपी पुलिस थाने में भी दर्ज हुआ है। इन आरोपियों को किया गिरफ्तार: संयोग भावरिया पुत्र सुन्दर लाल भावरिया निवासी गोमावाली, बिरजू सिंह सामोता पुत्र हरिसिंह सामोता निवासी डेरावाली, मनोज यादव पुत्र फूलाराम यादव निवासी भारणी, श्रवण कुमार पुत्र पोखरमल खटुन्दरा खण्डेला, दीनदयाल सैनी पुत्र किशन लाल सैनी निवासी ढ़ाल्यावास, सुभाष वर्मा पुत्र लालचंद वर्मा निवासी नांगल भीम, राजेंद्र सिंगड़ पुत्र मदनलाल जाट निवासी आभावास, मनोज कुमार पुत्र गोपाल राम निवासी रतनपुरा, दीपेन्द्र सिंह पुत्र सांवतराम यादव निवासी अरणिया, कमलेश कुमार पुत्र नोपाराम निवासी कल्याणपुरा, राकेश कुमार पुत्र पोखरमल निवासी निमेड़ा, धर्मपाल पुत्र सरदार सिंह निवासी लाडपुरा रींगस, नरेन्द्र पुत्र फुलचंद रोलाणियां निवासी मऊ, सुनिल पुत्र ज्ञानचंद रैगर निवासी दिवराला, अंकित पुत्र तेजपाल परसोया निवासी श्रीमाधोपुर, आकाश पुत्र कैलाश चंद रैगर निवासी श्रीमाधोपुर तथा आजाद पुत्र हीरालाल जाट निवासी निमेड़ा खण्डेला को गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भिजवाया गया।

- **पुलिस ने कोचिंग संचालकों सहित 17 लोगों को गिरफ्तार किया।**

नया मीडिया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राज्यसभा टिकट ना दिए जाने से खेड़ा काफी नाखुश थे। दिल्ली की मुख्यमंत्री रहीं स्व. शीला दीक्षित के वे राजनीतिक सचिव रह चुके हैं।

पाकिस्तान को एक और बड़ा झटका

नई दिल्ली, 18 जून। जर्मनी में हुई फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफ.ए.टी.एफ.) की बैठक में पाकिस्तान को एक बार फिर करारा झटका लगा। एफ.ए.टी.एफ. में चीन, तुर्की और मलेशिया समेत दुनिया के कई देशों की नापाक कोशिशों के बाद भी पाकिस्तान ग्रे लिस्ट से नहीं निकल पाया। एफ.ए.टी.एफ. की ग्रे लिस्ट में बने रहने से कंगाल पाकिस्तान को अरबों डॉलर का नुकसान उठाना पड़ रहा है। एफ.ए.टी.एफ. ने एक दल

- **फाइनैंशियल एक्शन टास्क फोर्स ने पाकिस्तान को एक बार फिर "ग्रे" लिस्ट में बरकरार रखने का फैसला किया।**

भेजने का ऐलान किया है जो पाकिस्तान के उठाए गए कदमों की जांच करेगा। एफ.ए.टी.एफ. के फैसले के बाद पाकिस्तान में जश्न मनाया जाने लगा और इमरान खान से लेकर पाकिस्तानी सेना में श्रेय लेने की होड़ लग गई है। वैश्विक स्तर पर आतंकियों के वित्तपोषण पर नजर रखने वाली संस्था एफ.ए.टी.एफ. ने शुक्रवार को ऐलान किया कि 4 साल तक ग्रे लिस्ट में रखने के बाद अब वह पाकिस्तान को इस सूची से निकालने की प्रक्रिया को शुरू कर रही है। इन 4 वर्षों में पाकिस्तान को मजबूरन आतंकियों के वित्तपोषण रोकना पड़ा है, नहीं तो उसके ब्लैक लिस्ट होने का खतरा मंडरा रहा था। एफ.ए.टी.एफ. ने कहा कि उसका दल पाकिस्तान जाएगा।

'माफीवीर'...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिये तैयारियाँ कर रहे हैं और पिछले तीन साल में कोई भर्ती नहीं हुई है। प्रियंका ने कहा था कि इन भर्ती के लिये फिट रहने के लिये दौड़ लगाते-लगाते इन लोगों के पैरों में छाले पड़ गये हैं।

'होटल 17 लाख...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अचानक शादी करने से इन्कार कर दिया। परिवादी ने 12 अप्रैल को होटल प्रबंधन को समारोह निरस्त करने की जानकारी दी। इस पर होटल प्रबंधन ने पूरी राशि लौटाने का आश्वासन दिया। वहीं बाद में प्रबंधन ने 25 फीसदी राशि और पांच प्रतिशत सर्विस चार्ज लौटाने की बात कही, जो कि भविष्य में पुत्री की शादी होटल से करने पर 5 लाख 66 हजार चार सौ रुपए की छूट के तौर पर दी जा सकती है। परिवाद के जवाब में होटल की ओर से कहा गया कि एग्रीमेंट के अनुसार आयोजन से पन्द्रह दिन पहले बुकिंग निरस्त कराने पर ही पूरी राशि वापस दी जा सकती थी। दोनों पक्षों को सुनने के बाद आयोग ने नुकसान की भरपाई के रूप में पन्द्रह फीसदी राशि की कटौती कर शेष 17 लाख रुपए दो माह में लौटाने को कहा है।

बहरोड़ में उपद्रवकारियों ने एनएच 48 जाम करने की कोशिश की

पुलिस के पहुंचने पर शहर के बीचों-बीच तोड़फोड़ कर टायर जलाये

बहरोड़/नीमराना/अलवर, 18 जून (निसं)। अग्निपथ योजना के विरोध में प्रदर्शनकारियों ने सुबह लगभग 9:30 बजे नैशनल हाईवे नंबर 48 पर जाम लगाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस जाब्ता जब मौके पर पहुंच गया तो उपद्रवकारियों ने शहर के बीचों-बीच तोड़फोड़ तथा उपद्रव मचाना शुरू कर दिया और इसी बीच एक ग्रुप ने बहरोड़ के आरटीओ ऑफिस के पास टायर जला दिया।

बताया जाता है कि बहरोड़ में उपद्रवकारियों ने सोची समझी साजिश के तहत निजी संस्थाओं तथा डिफेंस एकेडमियों के उकसाने पर उपद्रवकारी घटनाओं को अंजाम दिया।

पुलिस ने लगभग 23 युवाओं को हिरासत में लिया है। बहरोड थानाधिकारी वीरेंद्र पाल सिंह ने बताया कि इन लोगों को शांतिभंग के आरोप में निरुद्ध करते हुए हिरासत में लिया गया है तथा गहन अनुसंधान के बाद इनके खिलाफ यदि किसी बड़ी साजिश का भंडाफोड हुआ तो कानूनी व प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

लोगों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों में स्थानीय युवाओं के साथ-साथ हरियाणा के युवा भी शामिल थे। पुलिस को युवाओं की बढ़ती भीड़ को देखकर हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। इस दौरान हाइवे पर लंबा जाम लग गया। वाहन चालक परेशान होते रहे। युवाओं का कहना था कि अग्निपथ योजना देश के युवाओं के हित में नहीं है।

युवाओं के आक्रोश बता रहे थे लेकिन उसमें आक्रोश और समझ की बजाय एक सोची-समझी रणनीति अधिक लग रही थी।

काबुल गुरुद्वारे में आई.एस.ने 15 सिखों कों बंधक बनाया

काबुल/नई दिल्ली, 18 जून (वार्ता)। काबुल में करता परवन गुरुद्वारा पर आतंकवादी हमले में कम से कम एक व्यक्ति के मारे जाने की रिपोर्ट है। जानकारी के मुताबिक आतंकियों ने गुरुद्वारे के अंदर करीब 15 लोगों को बंधक भी बना रखा है।

- **आतंकियों ने गुरुद्वारे के बाहर दो विस्फोट किये और गोलीबारी भी की**
- **एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई है।**

रिपोर्ट के अनुसार इस्लामिक स्टेट के खुरासन गुट (आई.एस.आई.एस.) से जुड़े कुछ आतंवादियों ने शनिवार सुबह गुरुद्वारे पर गोलाबारी की। हमले के समय धमाकों और गोलीबारी की आवाज दूर तक सुनाई दे रही थी। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। सिख नेता मनजीन्द्रर सिंह सिरसा ने बाद में बताया कि हमलावरों को अफगानी सुरक्षा बलों के जवानों ने काबू में कर लिया है। गुरुद्वारे परिसर की स्थिति पर अब अफगानी पुलिस का नियंत्रण है। सिंह ने बताया कि अफगानिस्तान के कुछ सिख और हिन्दू गुरुद्वारे में फंसे हुए हैं। उनके अनुसार हमले में दो लोग घायल हुए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है जिनमें से एक की मौत हो गयी है। सोशल मीडिया के अनुसार शुरुआती जानकारी में गुरुद्वारे के गेट के बाहर हुए धमाकों में दो अफगान मारे गये।

सरकार ने "अग्निपथ" भर्ती प्रोग्राम पर अडिग...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सैनिकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श किया गया है। इस योजना को वापस लेने की माँग को खारिज करते हुये, पासवान ने कहा कि यह एक सुविचारित योजना है। उन्होंने मीडिया के एक वर्ग को बताया कि केन्द्र ने अब आयु-सीमा बढ़ा दी है। उन नौकरियों के बारे में भी सुस्पष्ट योजनाएं हैं, जो 75 प्रतिशत अग्निवीरों को सुरक्षा बलों में निर्धारित अवधि को पूरा कर लेने के बाद मिल सकेंगी। सड़कों पर हो रहे विरोध-प्रदर्शन को शांत करने की कोशिश करते हुये पासवान ने कहा कि कई राज्यों ने ऐसे आश्वासन भी दिये हैं कि वे राज्य पुलिस की नौकरियों में अग्निवीरों को प्राथमिकता देंगे।

बिहार में व्यापक विरोध की रिपोर्टें हैं। वहाँ आक्रोशित भीड़ ने दर्जनों ट्रेनों को आग लगा दी तथा अनेक शहरों और कस्बों में सार्वजनिक सम्पत्ति को नुकसान पहुँचाया, जिससे बाध्य होकर पुलिस ने करीब एक-तिहाई राज्य में इन्टरनैट सेवाएं निलम्बित कर दीं। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, रेलवे सम्पत्ति के विध्वंस से इस अकेले राज्य में ही 200 करोड़ रू. के अधिक का नुकसान हो चुका है। किन्तु राज्य पुलिस के सर्वोच्च अधिकारी, डॉयरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस एस.के. सिंघल ने कहा है कि ऐसी "धारणा" पैदा की जा रही है कि पुलिस बिहार में विरोध को नियंत्रित करने की कार्यवाही समय पर करने में विफल रही है। ज्ञातव्य है कि बिहार अग्निपथ-विरोधों से सर्वाधिक त्रस्त राज्यों में से एक हैं।

बिहार के 38 में से 18 जिलों में इन्टरनैट सेवाएं निलम्बित कर दी गई हैं क्योंकि पुलिस सोशल मीडिया पर फैल रहे जन-आक्रोश को दबाने की कोशिश में है। "अग्निपथ" योजना के विरोधों की तीव्रता की पृष्ठभूमि में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज सैन्य भर्ती के इस नये मॉडल का जबरदस्त बचाव करते हुये कहा कि इसे बड़े पैमाने पर हुये विचार-विमर्श, जिनमें पूर्व सैनिकों के साथ हुआ विमर्श भी शामिल था, के बाद तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि राजनैतिक कारणों के चलते एक "भ्रांत समय" फैलाई जा रही है। रक्षा मंत्री ने नई दिल्ली में शनिवार को दोपहर बाद अपने निवास पर तीनों सशस्त्र सैन्य प्रमुखों के साथ मीटिंग कीं। भाजपा-शासित हरियाणा से भी विरोध-प्रदर्शनों की जानकारी मिली है। वहाँ कुछ युवाओं ने महेन्द्रगढ़ रेलवे स्टेशन के बाहर एक वाहन को आग के हवाले कर दिया। उधर पंजाब में 50 से अधिक प्रदर्शनकारियों के समूह ने लुधियान रेलवे स्टेशन परिसर में घुसकर वहाँ की सम्पत्ति को नुकसान पहुँचाया।

इस बीच, गृह मंत्रालय ने दो अर्द्धसैनिक बलों में भर्ती के लिये, अग्निवीरों को निर्धारित आयु सीमा में तीन साल की छूट प्रदान कर दी। इस समय, अर्द्धसैनिक बलों की पाँच शाखाओं- बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बी.एस.एफ.), सैन्ट्रल रिज़र्व पुलिस फोर्स (सी.आर.पी.एफ.), इन्डो-तिब्बतन बॉर्डर पुलिस (आई.टी. बी.पी.), सशस्त्र सीमा बल (एस.एस.बी.) तथा सैन्ट्रल इन्डस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स (सी.आई.एस.एफ.) में 73,000 से ज्यादा पद खाली हैं। गृह मंत्रालय के डेटा में कहा गया है कि 73,219 पद सी.ए.पी.एफ. तथा असम राइफल्स में खाली हैं। इनके अलावा 18,124 पद केन्द्र शासित राज्यों के पुलिस बलों में भी खाली हैं। 10 लाख पदों वाली सी.ए.पी.एफ. गृह मंत्रालय के तहत सर्वाधिक रोजगार-प्रदाता एजेंसियों में से एक है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह तथा थल सेनाध्यक्ष द्वारा कल दिये गये आश्वासनों के बावजूद, इस नई अल्पकालीन सैन्य भर्ती योजना "अग्निपथ" का विरोध, जो अब आठ राज्यों में फैल गया है, केन्द्र सरकार के लिये एक बड़े मुद्दे का रूप ले चुका है।

तेलंगाना में ट्रेनों को आग लगाती तथा सम्पत्तियों को नुकसान पहुंचाती भीड़ पर की गई पुलिस फायरिंग में एक व्यक्ति मारा गया, जिससे वह सुरक्षा बलों का आतंक फैल गया है। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब तथा मध्य प्रदेश से भी हिंसा की खबरें मिली हैं। बिहार में, विरोध-प्रदर्शनों के दौरान उपमुख्यमंत्री रेणु देवी के मकान पर भी हमला किया गया। आंदोलनकारी नई भर्ती योजना में किये गये परिवर्तनों से नाराज है तथा इसका खास कारण हैं- सेवावधि का कम होना तथा जल्दी सेवानिवृत्त किये जाने वाले अग्निवीरों के लिए पेंशन का कोई प्रावधान न होना।

सरकार ने मंगलवार को अग्निपथ योजना को सार्वजनिक करते हुये इसे थल सेना, नौ सेना एवं वायु सेना में सैनिकों की भर्ती के लिये एक "रूपान्तरकारी" अर्थात काया-पलट कर देने वाली योजना बताया था। किन्तु कांग्रेस ने कहा कि यह योजना "विवादास्पद, कई प्रकार के जोखिमों से भरी हुई, लम्बे समय से चली परम्पराओं को नष्ट कर देने वाली है तथा यह "थोड़े से पैसों की खातिर सुरक्षा में खामी लाने वाली" सिद्ध हो सकती है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908